CNews सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-12
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

आजादी का कोई अर्थ नहीं है यदि इसमें गलतियां करने की आजादी शामिल न हों।

सिटी चीफ

माँ महागौरी

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, मंगलवार, 16 अप्रैल 2024

लोकसभा चुनाव 2024 : टूटे सारे रिकॉर्ड, मतदान से पहले ही 4650 करोड़ जब्त

75 साल के इतिहास में पहली बार अवैध रुपए का ढेर

1 मार्च 2024 से अब तक हर दिन 100 करोड़ रुपए की जब्ती

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए प्रचार जोरों पर चल रहा है। देशभर में कुल 7 चरणों में नई सरकार के चुनाव के लिए वोटिंग की जाएगी। 19 अप्रैल को पहले फेज का मतदान होना है। और हर बार की तरह इस बार भी चुनाव आयोग तत्पर है ताकि निष्पक्ष चुनाव हों। अब जानकारी मिली है कि चुनाव आयोग ने लोकसभा चुनावों के अब तक के 75 साल के इतिहास में सबसे ज्यादा अवैध पैसे जब्त किए हैं। 2024 के आम चुनाव में धनबल पर नकेल कसने के लिए चुनाव आयोग ने बड़ी मुहिम चला रखी है। आयोग द्वारा शेयर की गई जानकारी के मुताबिक, 1 मार्च 2024 से अब तक हर दिन 100 करोड़ रुपए की जब्ती की गई है। आयोग का कहना है कि मतदान शुरू होने से पहले 4650 करोड़ जब्त किए जा चुके हैं। और 2019 लोकसभा चुनाव में जब्त किए गए कुल पैसों से यह रकम ज्यादा है।

2019 की तुलना में 3475 करोड़ रुपए ज्यादा- चुनाव आयोग का कहना है कि चुनावों में धनबल का प्रयोग रोकने के लिए कार्रवाई सख्त की जाएगी। और बिना रुके जब्ती जारी रहेगी। आयोग द्वारा साझा की गई प्रेस रिलीज के मुताबिक, प्रवर्तन एजेंसियों ने 18वें लोकसभा चुनाव में मतदान से पहले कुल 4,650 करोड़ की जब्ती की। बता दें कि पूरे आम चुनाव 2019 की तुलना करें तो यह रकम 3475 करोड़ रुपए ज्यादा है।

शराब और ड्रग्स की भी जब्ती- जानकारी के मुताबिक, अब तक 395.39 करोड़ रुपए नकद जब्त किए जा चुके हैं। इसके अलावा 489.31 करोड़ रुपये की शराब, 2068.85 करोड़ रुपए के ड्रग्स, 562.10 करोड़ रुपए की महंगी धातु (सोना-चांदी) और 1142.49 करोड़ रुपये की फ्री ऑफर की जाने वाली चांजें जब्त की गई हैं। चुनावों में पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखने के लिए चुनाव आयोग देश में अलग-अलग एजेंसियों की मदद ले रहा है।

तमिलनाडु में सबसे ज्यादा कैश- तमिलनाडु में सबसे ज्यादा 53 करोड़ कैश, तेलंगाना में 49 करोड़, महाराष्ट्र में 40 करोड़, कर्नाटक और राजस्थान में 35-35 करोड़ रुपए से ज्यादा जब्त किए गए हैं। कर्नाटक में सबसे ज्यादा 124.3 करोड़ की शराब सीज की गई। इसके बाद पश्चिम बंगाल में 51.7 करोड़, राजस्थान में 40.7 करोड़, उत्तर प्रदेश में 35.3 करोड़ और बिहार में 31.5 करोड़ रुपए की शराब जब्त की गई।

गुजरात में सबसे ज्यादा ड्रग्स बरामद- चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक कुल जब्ती में 45 फीसदी ड्रग्स और नशीले पदार्थ हैं। गुजरात से सबसे ज्यादा करीब 485.99 करोड़ रुपए के ड्रग्स बरामद किए गए हैं। इसके बाद तमिलनाडु में 293.02 करोड़, पंजाब में 280. 81 करोड़, महाराष्ट्र में 213.56 करोड़ और दिल्ली में 189. 94 करोड़ के ड्रग्स जब्त किए गए हैं।

चुनावी मौसम में पीएम का इंटरव्यू

मोदी बोले- चुनावी बॉन्ड पर रोक से सब पछताएंगे

नई दिल्ली। देश में चल रहे चुनावी मौसम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न्यूज एजेंसी एएनआई को एक साक्षात्कार दिया है। इसमें उन्होंने केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग, चुनावी बॉन्ड, राम मंदिर आदि को लेकर विपक्ष के आरोपों पर जवाब दिया। इसके साथ ही पीएम ने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के अपने विचार पर भी बात की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि चुनावी बॉन्ड पर विपक्ष लगातार झूठ फैला रहा है। जबकि जांच एजेंसियों की कार्यवाही में यह बात सामने आई है कि 16 बड़ी कंपनियों ने जो चंदा दिया, उसमें से केवल 37 फीसदी राशि भाजपा को मिली और 63 फीसदी विपक्षी दलों के खाते में गई। उन्होंने कहा, चुनाव में खर्च होता ही होता है। सभी पार्टियां करती हैं, इससे कोई इनकार नहीं कर सकता। मैं चाहता था कि हम एक कोशिश करें कि काले धन से चुनाव को मुक्ति कैसे मिले। चुनावी बॉन्ड इसी इरादे से लाया गया था। चुनावी बॉन्ड पर रोक लगाने के संदर्भ में प्रधानमंत्री ने कहा कि यदि इलेक्टोरल बॉन्ड नहीं होते तो किस व्यवस्था में ताकत है कि वो ढूंढ के निकालते कि पैसा कहां से आया और कहां गया? आज हमने देश को पूरी तरह से कालेधन की ओर धकेल दिया है इसीलिए मैं यह कहता हूं कि अगर ईमानदारी से सोचेंगे तो हर किसी को इसका पछतावा होगा।

ईडी का काम बेहतरीन, किसी को डरने की जरूरत नहीं- प्रधानमंत्री मोदी ने इंटरव्यू में केंद्रीय एजेंसियों जैसे ईडी की कार्यशैली को लेकर विपक्ष के आरोपों का भी जवाब दिया। पीएम ने कहा, ईडी आज के समय में बेहतरीन काम कर रही हैं। एक ईमानदार आदमी को किसी से डरने की जरूरत नहीं है। पर जो भ्रष्टाचार से घिरे हैं, उनमें पाप का डर होता है। पीएम ने आगे कहा, आज कितने विपक्ष के नेता जेल में हैं। मुझे कोई नहीं बताता। और क्या ये वही विपक्षी नेता हैं, जो सरकारें चलाते थे? ये पाप का डर है। आखिर एक ईमानदार व्यक्ति को किस बात का डर? जब मैं मुख्यमंत्री था, तब उन्होंने मेरे गृह मंत्री को जेल में डाल दिया था। देश को समझना होगा कि राजनीतिक नेताओं पर ईडी के सिर्फ तीन फीसदी केस ही हैं। 97 फीसदी मामले उन लोगों पर हैं, जो राजनीति से नहीं जुड़े हैं।

चुनाव आयोग को लेकर कांग्रेस पर तंज- एक सवाल के जवाब में पीएम ने चुनाव आयोग के पहले की हालत को लेकर कांग्रेस पर तंज कसा। पीएम ने कहा कि पहले जो लोग एक परिवार के करीबी होते थे, सिर्फ उन्हें ही चुनाव आयुक्त बनाया जाता था और उन्हें बाद में राज्यसभा या अन्य मंत्रालय भेज दिया था। पीएम ने तंज कसते हुए कहा कि लेकिन हम उस स्तर का काम नहीं कर सकते। भाजपा सरकार चुनाव आयोग में बदलाव के लिए कानून लाई।

तीसरे कार्यकाल की योजना पहले से- अपने तीसरे कार्यकाल पर प्रधानमंत्री ने कहा कि इसकी तैयारी उन्होंने दो साल पहले ही शुरू कर दी थी। वे अगले 100 दिन की कार्ययोजना बनाकर ही मैदान में उतरे हैं। उन्होंने कहा कि मुझे अभी बहुत कुछ करना बाकी है। क्योंकि मैं देख रहा हूं कि मेरे देश की कितनी जरूरतें हैं, मैं हर परिवार के सपनों को कैसे पूरा करूं, इसीलिए मैं कहता हूं कि यह एक ट्रेलर है।

राम मंदिर पर राजनीति किसने की?- राम मंदिर के मुद्दे पर पीएम मोदी ने सवाल उठाया, इसका राजनीतिकरण किसने किया? उन्होंने कहा, वोट बैंक की राजनीति के लिए इसे हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया गया और बार-बार भड़काया गया।...उनके (विपक्ष) लिए यह एक राजनीतिक हथियार था...अब राम मंदिर बन गया तो उनके हाथ से यह मुद्दा ही चला गया है।

लोकसभा चुनावः यूपी की यादव बहुल सीट पर बीजेपी का चेहरा बने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री

अखिलेश के गढ़ मैनपुरी में सीएम मोहन यादव ने विपक्ष को घेरा

मैनपुरी। यूपी के मैनपुरी में बीजेपी और सपा दोनों ही तरफ से धुआंधार प्रचार हो रहा है। एक तरफ जहां बीजेपी प्रत्याशी के पक्ष में प्रचार करने पहुंचे मप्र के सीएम मोहन यादव ने अखिलेश यादव और राहुल गांधी को आड़े हाथ लिया। वहीं मैनपुरी को सपा का गढ़ कहे जाने को पुराने दिनों की बात बताई। वहीं डिंपल यादव के पक्ष में प्रचार के लिए आए अखिलेश यादव ने बीजेपी पर डिवाइड एंड रूल का आरोप लगाया और कहा कि इसी के तहत मोहन यादव को यहां प्रचार का जिम्मा दिया गया है। बीजेपी प्रत्याशी जयवीर सिंह के प्रचार के लिए मैनपुरी पहुंचे मध्यप्रदेश के सीएम मोहन यादव ने पूरे देश को मोदीमय बताया। जब उनसे पूछा गया कि एक समय मैनपुरी समाजवादी पार्टी का गढ़ होता था, इस पर उन्होंने दो टूक बात कह दी। मोहन यादव ने कहा कि जो भी किसी का गढ़ था, वो पुरानी बात हो गई. अब सब मोदीमय हो गए हैं।

यादव बहुल सीट माना जाता है मैनपुरी- यादव बहुल लोकसभा सीट होने की बात पर मोहन यादव ने कहा कि जहां से मैं आता हूं, वहां मेरी जाति के 500 वोट भी नहीं हैं. लेकिन, पार्टी मुझे लगातार 3 बार से टिकट दे रही है। हमें जाति की जगह योग्यता पर ध्यान देना चाहिए। अखिलेश यादव को लेकर उन्होंने कहा कि दो-दो चुनाव देख लिये जनता अब इन पर विश्वास नहीं करती है।

डिंपल यादव को जीत हाथ से जाती दिख रही : मोहन यादव ने डिंपल यादव के बीजेपी के संकल्प पत्र पर सवाल उठाने पर कहा कि उनको भी अंदर से पता है कि क्या हो रहा है। पीएम मोदी से दुनिया में देश का मान बढ़ा। हर तरफ वाहवाही हो रही। इसलिए जिन्हें हाथ से सत्ता जाती हुए दिखती है, उन्हें जीत पर शंका होती ही है और वे ऐसे ही कटाक्ष करते हैं।

राहुल गांधी को खरी-खरी : राहुल गांधी के जातीय जनगणना को लेकर बयान पर मोहन यादव ने कहा कि राहुल गांधी के नानाजी ने जातिगत जनगणना कराने से मना किया। उनकी दादी ने जाति का जनगणना नहीं कराई। कई लोग हम पर आरोप लगाते हैं कि हम जातिगत जनगणना के विषय में स्पष्ट नहीं हैं, तो बता दें हम इस पर स्पष्ट हैं। हम कोई विरोधी नहीं हैं। लेकिन महिला, गरीब, किसान, युवा यदि इन्हीं चार श्रेणी पर हम ध्यान दे दें तो पूरा समाज इसमें आ जाता है।

इजराइली वॉर कैबिनेट की मीटिंग में ईरान को जवाब देने पर बनी सहमति

नई दिल्ली। इजराइल पर ईरान के हमले के बाद इजराइली वॉर कैबिनेट की मीटिंग में इस बात पर सहमति बनी है कि ईरान को जवाब दिया जाना चाहिए। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, यह कब और कैसे होगा, इसका फैसला नहीं हो पाया है। दूसरी तरफ, भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ईरान में मौजूद 17 भारतीयों की रिहाई के लिए ईरानी विदेश मंत्री से बात की। जयशंकर ने यह भी कहा कि दोनों देशों को शांति और कूटनीति के जरिए मसले का हल निकालना चाहिए। दरअसल, शनिवार को ईरान ने इजराइली अरबपति की कंपनी के एक जहाज पर कब्जा कर लिया था। यह कार्गो शिप भारत आ रहा था और इस पर भारत के 17 क्रू मेंबर्स सवार थे। ईरान की सेना ने शनिवार देर रात 3 बजे (भारतीय समय के मुताबिक) इजराइल पर करीब 300 ड्रोन और मिसाइल से अटैक किया था। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक इजराइल ने अमेरिका और दूसरे सहयोगी देशों के साथ मिलकर 99त्न ड्रोन-मिसाइलों को रोक दिया था। हमले में सिर्फ इजराइल के नेवातिम एयरफोर्स बेस को कुछ नुकसान पहुंचा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान ने इजराइल पर इस हमले को ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस नाम दिया। दरअसल, 1 अप्रैल को इजराइल ने सीरिया में ईरानी एम्बेसी के पास एयरस्ट्राइक की थी। इसमें ईरान के दो टॉप आर्मी कमांडर्स समेत 13 लोग मारे गए थे।

फसलों के लिए अच्छा संकेतः भारतीय मौसम विभाग ने जारी किया 87 सेंटीमीटर वर्षा का अनुमान

सामान्य से बेहतर रहेगा मानसून, 106 प्रतिशत तक होगी बारिश

नई दिल्ली। भारत में इस साल मानसून सामान्य से बेहतर रह सकता है। भारतीय मौसम विभाग यानी आईएमडी का कहना है कि इस साल पूरे देश में औसतन 87 सेंटीमीटर तक बारिश हो सकती है। ला नीना प्रभाव के चलते इस साल देश में मानसून अच्छा रहेगा। अगस्त-सितंबर में अच्छी बारिश होने का अनुमान है। यह फसलों के लिए अच्छा संकेत है। भारतीय मौसम विभाग के प्रमुख ने बताया कि साल 1951 से लेकर 2023 तक का डेटा देखने से पता चलता है कि देश में नौ बार मानसून सामान्य से बेहतर रहा है। ला नीना प्रभाव के चलते ही ऐसा हुआ। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव एम रविचंद्रन ने कहा कि 1971 से 2020 तक के बारिश के आंकड़ों के अनुसार, हमने नया दीर्घकालिक औसत और सामान्य पेश किया है। इसके अनुसार, 1 जून से 30 सितंबर तक पूरे देश की कुल वर्षा का औसत 87 सेमी होगा। देश में चार महीनों तक (जून से सितंबर तक) सामान्य से ज्यादा बारिश होगी और 106 प्रतिशत तक होगी। जलवायु वैज्ञानिकों का कहना है कि बारिश के दिनों में कमी आ रही है, जबकि भारी बारिश की घटनाएं बढ़ रही हैं। इसके चलते ही बाढ़ और सूखे की समस्या देखने को मिल रही है।

सामान्य से ज्यादा बारिश की 29 फीसदी संभावना- आईएमडी ने कहा है कि सामान्य से ज्यादा बारिश (104 से 110त्न) की संभावना 29 फीसदी है। देशभर के अधिकांश इलाकों में सामन्य बारिश हो सकती है लेकिन उत्तर-पश्चिमी राज्यों यानी राजस्थान, गुजरात, पंजाब और जम्मू कश्मीर, ओडिशा, पश्चिम बंगाल के गंगीय इलाके और पूर्वोत्तर के कुछ राज्यों में सामान्य से भी कम बारिश दर्ज की जा सकती है।

सामान्य से ज्यादा बारिश 20 प्रदेशों में- आईएमडी ने कहा है कि सामान्य से ज्यादा बारिश 20 प्रदेशों मध्यप्रदेश, केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र , गुजरात, राजस्थान, पंजाब, चंडीगढ़, हरियाणा, दिल्ली, उत्तराखंड, उत्तरप्रदेश, बिहार, झारखंड, प.बंगाल, सिक्किम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, पुडुचेरी, अंडमान निकोबार द्वीप समूह, लक्षदीप, दादरा और नगर हवेली, दमन-दीव में हो सकती है।

सामान्य बारिश चार प्रदेशों में- आईएमडी ने कहा है कि सामान्य बारिश छत्तीसगढ़, हिमाचल, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में हो सकती है।

सामान्य से कम बारिश 6 प्रदेशों में- आईएमडी ने कहा है कि 6 प्रदेशों ओडिशा, असम, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में सामान्य से कम बारिश का अनुमान है।

अगस्त-सितंबर में होगी ज्यादा बारिश- आईएमडी ने कहा है कि मौसम के प्रभाव के चलते शुरुआत (जून-जुलाई) में मानसून की रफ्तार धीमी रहेगी, लेकिन दूसरे फेज (अगस्त-सितंबर) में इसकी भरपाई हो जाएगी। आईएमडी ने बताया कि मानसून को लेकर अगली संभावना मई के आखिरी सप्ताह में जारी की जाएगी।

कम समय में बहुत ज्यादा बारिश के दिन बढ़े- वैज्ञानिकों के मुताबिक भारी बारिश वाले दिनों की संख्या घट रही है, जबकि बहुत तेज बारिश वाले दिनों यानी कम समय में बहुत ज्यादा बारिश वाले दिनों की संख्या बढ़ रही है। इसकी वजह बार-बार आने वाला सूखा और बाढ़ है।

मानसून के पक्ष में यह परिस्थिति- अभी देश में अल नीनो प्रभाव का असर है, लेकिन अगस्त-सितंबर में इसके ला नीना प्रभाव में बदलने का अनुमान है। उत्तरी गोलार्द्ध में बर्फबारी भी कम हुई है और यह परिस्थिति भारत में दक्षिण पश्चिम मानसून के पक्ष में है। अल नीनो प्रभाव के चलते साल 2023 में भारत में 820 मिमी बारिश हुई थी, जो कि सामान्य से कम थी। यह दीर्घ अवधि के औसत 868.6 मिमी से भी कम थी। साल 2023 से पहले चार वर्षों में मानसून के दौरान भारत में सामान्य और सामान्य से बेहतर बारिश दर्ज की गई थी।

मौसम का मिजाज

इंदौर में पहली बार दिन का तापमान 39 डिग्री पर पहुंचा, शाम होते-होते बदला मौसम

वेस्टर्न डिस्टरबेंस की वजह से सुकून की हवा, अचानक बरसे बादल

इंदौर। इंदौर में सोमवार सुबह आसमान से साफ रहा और धूप खिलने के कारण शहरवासियों को सुबह से ही गर्मी का अहसास हुआ। इस दौरान तापमान 39 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इस सीजन में यह पहला मौका है जब तापमान 39 डिग्री तक पहुंचा। दोपहर बाद मौसम बदला और बादल छा गए। शाम करीब पांच बजे मौसम ने अचानक करवट ली और शाम को इंदौर के कई क्षेत्रों में जमकर बारिश हुई।

इससे पहले शुक्रवार को शहर और आसपास के इलाकों में तेज बारिश के साथ कई स्थानों पर ओले भी गिरे थे। इधर मौसम वैज्ञानिकों की मानें तो दिन में बादलों के साथ गर्मी और देर शाम अचानक बारिश का यह दौर अगले दो-तीन दिन तक चल सकता है।

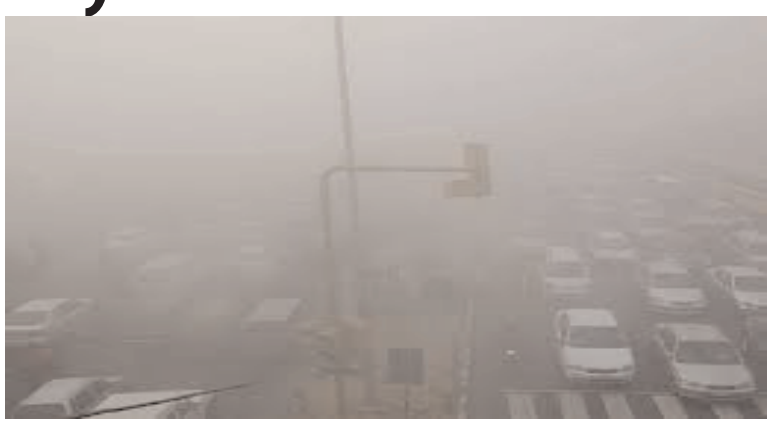

अप्रैल के दूसरे हफ्ते में भी बादल

इस बार अप्रैल के दूसरे हफ्ते में बादलों का दौर रहा। इस दौरान एक बार रात को बारिश हुई तो तापमान में उतार-चढ़ाव भी रहा। इसके बावजूद इस बार अप्रैल की गर्मी पिछले साल को टक्कर दे रही है। इस बार रात का तापमान शुरू से औसतन से ज्यादा ही रहा है। इस बार अप्रैल के दो हफ्तों में रातें पिछले साल की तुलना में ज्यादा गर्म है। इन दिनों रात का औसतन तापमान 1 डिग्री ज्यादा बना हुआ है। रविवार को दिन का तापमान 37.4 (-1) और रात का तापमान 24 (+3) डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इस अप्रैल यह पहला मौका है जब रात का तापमान 24 डिग्री पर पहुंचा है।

आखिरी हफ्ते में ज्यादा बढ़ेगा तापमान

वेस्टर्न डिस्टरबेंस के कारण पूरे मध्य और उत्तर भारत में सुकून की हवा चल रही है। इस कारण हीट वेव नहीं है। अप्रैल के आखिरी हफ्ते में जरूर तापमान तेजी से बढ़ सकता है। मौसम वैज्ञानिकों ने इस बार अगले हफ्ते गर्मी बढ़ने के आसार जताए हैं लेकिन लू की स्थिति नहीं है। चौथे हफ्ते में तापमान जरूर बढ़ सकता है।

पिछले साल अप्रैल में ऐसा था तापमान

पिछले साल अप्रैल के पहले दिन दिन का तापमान 32 डिग्री सेल्सियस था। इस बार पहले में पहले दिन तापमान 4 डिग्री ज्यादा (36 डिग्री) रिकॉर्ड किया गया। इसके बाद पहले हफ्ते में ही तापमान 38 डिग्री सेल्सियस पर चला गया। इससे लोग हलाकान होते रहे। इसके पूरे माह बाद तापमान 36 डिग्री से नीचे ही रहा। पिछले साल तीन बार पारा 38 डिग्री तक पहुंचा। इस बार दूसरे हफ्ते में पारा कम-ज्यादा होता रहा। इसके बावजूद दोनों साल दिन का औसतन 36 डिग्री ही रहा। पिछले साल अप्रैल में पहली रात का तापमान 17 डिग्री सेल्सियस था। इस बार 20 डिग्री सेल्सियस रहा। ऐसे ही पिछले साल दो हफ्तों में रात का तापमान औसतन 21 डिग्री सेल्सियस था। इस बार रात का तापमान औसतन 22 डिग्री बना हुआ है।

10 साल में अप्रैल का सबसे ज्यादा तापमान 2019 में रहा

बीते 10 साल में अप्रैल में सबसे ज्यादा तापमान 30 अप्रैल 2019 को 43.5 डिग्री सेल्सियस था। 2023 में दिन का तापमान 40.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। यह बीते 10 सालों में दिन के लिहाज से सबसे कम रहा। इन 10 सालों में यह स्थिति अप्रैल के तीसरे और आखिरी हफ्ते में बनी थी। ऐसे ही 10 सालों में रात का सबसे कम तापमान 2 अप्रैल 2021 और 1 अप्रैल 2023 को 17.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। इस बार 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा ही नहीं।

इंदौर से भोपाल के बीच बना ग्रीन कॉरिडोर-54 वर्षीय टीचर को ब्रेन डेड घोषित करने के बाद परिजन ने दी अंग दान की सहमति

सागर के शिक्षक की किडनी ने बचाई दो लोगों की जिंदगी

इंदौर। इंदौर से भोपाल के बीच सोमवार को ग्रीन कॉरिडोर बना। भोपाल के बंसल अस्पताल से इंदौर के चोइथराम अस्पताल के बीच ग्रीन कॉरिडोर के माध्यम से दो घंटे 45 मिनट में किडनी इंदौर लाई गई। इससे अब एक व्यक्ति को जीवनदान मिलेगा।

सागर निवासी 54 वर्षीय हरिशंकर धिमोले शिक्षक थे। वे बीमारी के कारण अस्पताल में भर्ती थे। डॉक्टरों ने उन्हें ब्रेनडेथ घोषित किया। परिजनों ने अंग दान करने पर सहमति दी। इसके बाद ग्रीन कॉरिडोर की संभावनाएं बनीं। इंदौर के चोइथराम अस्पताल में भर्ती एक व्यक्ति की किडनी खराब हो गई थी। तय प्रक्रिया के तहत उनका अंग प्रत्यारोपण के लिए चयन हुआ। परिजनों ने हरशंकर के अंगों को भीगी आंखों से विदाई दी। इसके बाद एम्बुलेंस में विशेष बॉक्स में किडनी इंदौर पहुंचाई गई। एक किडनी भोपाल के अस्पताल में ही ट्रांसप्लांट की गई, जबकि दूसरी किडनी लेकर भोपाल से डॉक्टरों की मौजूदगी में एक टीम इंदौर के लिए रवाना हुई। इंदौर से भोपाल के बीच आने वाले जिलों के अफसरों को ग्रीन कॉरिडोर की सूचना दे दी गई थी, ताकि रास्ते यातायात बाधित न हो।

इस तरह बची दो लोगों की जिंदगी- दोपहर में शिक्षक की किडनी भोपाल के बंसल हॉस्पिटल में ही एडमिट मरीज को ट्रांसप्लांट की गई। दूसरी किडनी के लिए चोइथराम हॉस्पिटल (इंदौर) तक के लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया। इसके लिए ट्रैफिक पुलिस ने प्लान तैयार किया। रास्तेभर ट्रैफिक सुगम मिलने से पौने तीन घंटे में किडनी चोइथराम हॉस्पिटल लाई गई। इसके बाद मरीज को ट्रांसप्लांट की गई। भोपाल से एम्बुलेंस 12.30 बजे रवाना हुई, जो इंदौर तक 3.15 तक पहुंच गई। डॉक्टरों ने पहले से ही प्रत्यारोपण की तैयारी कर ली थी।

काउंसलिंग के बाद परिजन ने दी सहमति शिक्षक हरिशंकर धिमोले (54) निवासी ग्राम देवरी (सागर) को 12 अप्रैल को सागर के भाग्योदय हॉस्पिटल में एडमिट किया गया था। वहां से उन्हें बंसल हॉस्पिटल, भोपाल रैफर किया गया। यहां सोमवार को डॉक्टरों ने उन्हें ब्रेन डेड घोषित किया। वहां किरण फाण्डेशन के सचिव डॉ. राकेश भार्गव ने परिजन को अंग दान की जानकारी दी। फिर परिजन ने इंदौर के मुस्कान ग्रुप के सेवादार जीतू बगानी और संदीपन आर्य से संपर्क किया। टीम की काउंसलिंग के बाद परिजन ने अंग दान के लिए सहमति दी।

आपको बता दें कि इंदौर ग्रीन कॉरिडोर के मामले में देश में नंबर वन पर है। अब तक इंदौर में 55 ग्रीन कॉरिडोर बन चुके हैं। सात साल पहले इंदौर में पहला ग्रीन कॉरिडोर बना था।

आदिवासी विकास विभाग में लोकायुक्त का छापा

महिला कर्मचारी और क्षेत्रीय संयोजक 50 हजार की रिश्वत लेते पकड़ाए

इंदौर। इंदौर के आदिवासी विकास विभाग में छापा मारकर लोकायुक्त पुलिस ने एक महिला कर्मचारी और एक क्षेत्रीय संयोजक को 50 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा। महिला ने बिना डरे नोटों की गड्डी ली थी और अलमारी में रख दी थी। जब लोकायुक्त पुलिस ने दफ्तर में आकर अपना परिचय दिया तो उसके चेहरे का रंग उड़ गया और वह कहने लगी कि रिश्वत मैंने नहीं ली।

छात्रावास के भवन की बकाया राशि व एरियर देने के एवज में महिला कर्मचारी उमा मर्सकोले ने 15 प्रतिशत राशि रिश्वत के रूप में मांगी थी। उमा को रिश्वत देने के लिए फरियादी विक्रम गेहलोत पर क्षेत्रीय संयोजक विजय जायसवाल ने दबाव बनाया था। पुलिस ने दोनों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। फरियादी ने श्रीकृष्ण एवेन्यू में 2015 में अपना मकान होस्टल के लिए विभाग को किराए पर दिया था। वहां जूनियर छात्रावास संचालित किया जा रहा था। फरियादी ने उस मकान को पिछले साल खाली करा लिया था, लेकिन विभाग ने बकाया 11 लाख रुपए नहीं दिए थे। इस राशि के भुगतान के लिए जायसवाल और मर्सकोले 15 प्रतिशत राशि की रिश्वत देने का दबाव बना रहे थे।

गड्डी में लगा हुआ था केमिकल

सोमवार को 50 हजार रुपये की राशि देना तय हुआ। फरियादी ने लोकायुक्त पुलिस को भी शिकायत की। तय रणनीति के तहत जैसे ही दोनों घूसखोर कर्मचारियों ने रिश्वत के रूप में पचास हजार रुपये लिए, तो लोकायुक्त विभाग की टीम ने दोनों को रंगे हाथों पकड़ लिया। गड्डी में केमिकल लगा हुआ था। दोनों घूसखोर कर्मचारियों के हाथ धुलवाए गए तो नोटों में लगा पीला रंग उनके हाथों से निकला। उमा ने रुपए लेकर अलमारी में रख लिए थे। लोकायुक्त पुलिस ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत केस दर्ज कर लिया।

मंदिर पर कलश स्थापना की बोली को लेकर विवाद, हुई चाकूबाजी

इंदौर। इंदौर के चंदन नगर में मंदिर पर कलश स्थापना को लेकर विवाद हो गया। पुलिस ने चार लोगों पर चाकूबाजी सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। एक परिवार ने 11 लाख की बोली लगाकर प्राण प्रतिष्ठा में कलश स्थापना अपने नाम करवा ली थी। चंदन नगर पुलिस के मुताबिक किसान सोहन पुत्र दुलेसिंह की शिकायत पर पुलिस ने अनिल पाटीदार ग्राम सिंदोड़ा, केशव, सुनील और विमल के खिलाफ 324, 323, 294, 506, 34 की धाराओं में केस दर्ज किया है। उनके गांव में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का यज्ञ चल रहा था। इसके बाद श्रीराम मंदिर मे ध्वजा एवं कलश चढ़ाने के लिये मंदिर मे बोली लगी। जिसमें गांव के सभी लोगों ने अपनी अपनी तरफ से बोली लगाई। अंतिम बोली 11 लाख रुपए की मेरे चचेरे भाई लाखन सिंह पुत्र बने सिंह ने लगाई। तब मंदिर समिति के अध्यक्ष मांगीलाल पाटीदार व अन्य ने अंतिम बोली मानकर उसे स्वीकार कर लिया। इसके बाद रात 11.30 बजे सोहन अपने घर जाने लगा। तभी मंदिर के बाहर मारपीट करने वाले चारों लोग मिले और गालियां देने लगे। कहने लगे कि बोली हमें लगाना थी तुम लोगों ने कैसे लगा दी। सोहन ने कहा कि मंदिर समिति ने सभी को छूट दी थी। इसके बोली उसी समय लगाना चाहिए थी। इसके बाद अनिल पाटीदार ने चाकू निकाला और सिर पर वार कर दिया। वहीं केशव ने रॉड निकालकर पैर पर मार दी। जिसके बाद सड़क पर गिर गया। आरोपियों ने इसके बाद लात घूंसों से पीटना शुरू कर दिया। इस बीच और गांव के लोग वहां आ गए और बचाव किया। बड़ी मुश्किल से मामले में जान बचा पाए।

इंदौर में हुए दोहरे हत्याकांड का 20 वर्ष से फरार आरोपी गिरफ्तार

इंदौर। क्राइम ब्रांच की टीम ने दोहरे हत्याकांड में 20 वर्षों से फरार आरोपी को सोमवार को गिरफ्तार किया। अधिकारियों के मुताबिक, सूचना मिली थी कि एरोड्रम थाना क्षेत्र के दोहरे हत्याकांड का आरोपी कमल शर्मा न्यायालय से पैरोल प्राप्त कर वर्ष 2002 से फरार है और छुपकर फरारी काट रहा है। इस पर टीम ने घेराबंदी कर आरोपी कमल शर्मा (55) निवासी पंचमूर्ति नगर को पकड़ा। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वर्ष 2001 में भय्यू सालवी निवासी सालवी मोहल्ला और दिलीप कुबड़ा निवासी जय भवानी नगर की जमीन विवाद के चलते अन्य साथियों के साथ मिलकर हत्या की थी। आरोपी कमल 45 दिन के पैरोल पर बाहर आया था।

जिस टॉवर 61 में लगी आग उसके पास फायर एनओसी नहीं

नियम ताक पर रख बिल्डिंग में चल रहे ऑफिस और रेस्टोरेंट

इंदौर। सी-21 मॉल के सामने टॉवर 61 में रविवार को लगी आग की वजह की जांच के लिए सोमवार को टीम मौके पर पहुंची। टीम में नगर निगम, एफएसएल और बिजली विभाग के अधिकारी थे। बिल्डिंग में फायर सेफ्टी सिस्टम नहीं लगा था। ऊपर मचान रेस्टोरेंट में जरूर दो अग्निशमन यंत्र लगे थे। मामले में अधिकारियों ने जांच की बात कही है। आग का कारण शॉर्ट सर्किट को माना जा रहा है। अधिकारियों की रिपोर्ट में ही आग के कारण का खुलासा होगा।

बता दें रविवार शाम टॉवर 61 की पांचवीं मंजिल स्थित मचान रेस्टोरेंट और बार में आग लग गई थी। आग ने चौथी मंजिल स्थित ऑफिस को भी चपेट में ले लिया था। सूचना पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची लेकिन आग पर काबू पाने के लिए काफी मशक्कत करना पड़ी। आग बुझाने के लिए 3 लाख 20 हजार लीटर पानी डाला गया। नुकसान क्या-क्या हुआ है, इसका मौका पंचनामा अभी नहीं बना है। बार लाइसेंस रिन्यू नहीं होने के कारण रेस्टोरेंट 31 मार्च से बंद था। पांच मंजिला इस बिल्डिंग के पास फायर एनओसी नहीं थी। नियमों को ताक पर रख बिल्डिंग में ऑफिस और रेस्टोरेंट अब तक संचालन होते आए हैं। मामले में नगर निगम के अधिकारियों ने अब कार्रवाई की बात कही है।

पीथमपुर के पास झाड़ियों में मिले बच्चे को अमेरिका का परिवाल लेगा गोद

इंदौर। लावारिस हाल में झाड़ियों में मिले नवजात बच्चे की डेढ़ साल बाद किस्मत बदलने जा रही है। बच्चा अब अमेरिका में रहेगा। अमेरिका के एक दंपत्ति नौनिहाल को इसी माह गोद लेकर अपने साथ विदेश ले जाएंगे। बता दे कि जब बच्चे को झाड़ियों में फेंका गया था, जिसके बाद श्वानों ने मिलकर उसे लहूलुहान कर दिया था। इस दौरान बच्चे के प्राइवेट पार्ट में भी चोट आई थी। जानकारी के अनुसार जनवरी 2023 में पीथमपुर के पास झाड़ियों में नवजात लावारिस हाल में मिला था। नवजात को श्वानों ने लहूलुहान कर दिया था, इस दौरान उसके प्राइवेट पार्ट सहित पूरे शरीर पर घाव बन गए थे। एमटीएच अस्पताल में इलाज के बाद संजीवनी सेवा संगम केंद्र में बच्चे को आश्रय मिला। केंद्र अधीक्षक आशा सिंह ने बताया कि बच्चा वर्तमान में डेढ़ साल का हो चुका है। कुछ समय पहले अमेरिका के एक दंपत्ति ने इस बच्चे को गोद लेने के लिए आवेदन किया था। इसके बाद सभी तरह की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। जल्द ही बच्चे को लेने दंपत्ति इंदौर आएंगे। केयर टेकर द्वारा बच्चे का ख्याल रखा जा रहा है। शुरुआत के छह माह तक बच्चे ने स्वास्थ्य संबंधित काफी संघर्ष किया। अब वह पूरी तरह से स्वस्थ है। जानकारी के अनुसार जब बच्चा झाड़ियों में मिला था, तब श्वान द्वारा बच्चे के प्राइवेट पार्ट को नुकसान पहुंचाया गया था। उम्र बढ़ने के साथ बच्चे का इलाज हो सकेगा। इसके बाद बच्चा पूरी तरह से नॉर्मल हो जाएगा।

जागरुक उपभोक्ता: शक होने पर बिस्किट के 800 ग्राम के पैकेट का वजन कराया, माल निकला कम, नापतौल विभाग ने की कार्रवाई

पैकेट में 53 ग्राम बिस्किट कम, पतंजलि और डी-मार्ट पर लगा जुर्माना

इंदौर। बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि के खिलाफ नापतौल विभाग ने कार्रवाई की है। 800 ग्राम के पैकेट में 53 ग्राम बिस्किट कम निकलने पर विभाग ने प्रकरण दर्ज किया है। साथ ही सुपर मार्केट डी-मार्ट को भी कार्रवाई के दायरे में लिया है। दोनों के खिलाफ विभाग ने जुर्माना लगा दिया है। अधिकारी के मुताबिक, कंपनी पर एक लाख 20 हजार रुपएऔर सुपर मार्केट पर 20 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है।

ग्राहक ने डी-मार्ट से 800 ग्राम का पैकेट खरीदा था। शक होने पर जब वजन करवाया तो यह 746.70 ग्राम ही निकला। ग्राहक ने नापतौल विभाग में इसकी शिकायत की थी। तीन महीने चली सुनवाई के बाद विभाग ने 31 मार्च को फैसला सुनाया। इसमें पतंजलि और डी-मार्ट समेत पैकेजिंग कंपनी पर 1.40 लाख रुपए जुर्माना लगाया। आदेश की कॉपी पक्षकारों को अब मिली है। पतंजलि कंपनी और डी-मार्ट की ओर से जुर्माना जमा करा दिया गया है। हालांकि फरियादी को अभी कोई हर्जाना हीं मिला है। उसे सेवा में कमी का केस दर्ज करवाने के लिए उपभोक्ता फोरम में जाने की सलाह दी गई है।

7 रुपए का माल कम मिला

कनाड़िया के रहने वाले मुकेश जाट ने जनवरी 2024 में शिकायत दर्ज कराई थी। इसमें दावा किया था कि डी-मार्ट मेसर्स एवेन्यू सुपर मार्ट लिमिटेड से पतंजलि बिस्किट का 125 रुपए में 800 ग्राम का

पैकेट खरीदा था। शक होने पर उन्होंने पैकेट को तौला तो वजन कम निकला। इसके बाद वे जागरुक उपभोक्ता समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश अमोलिया के साथ नापतौल विभाग के निरीक्षक केआर चौधरी के पास पहुंचे। वहां भी तौल कर देखा गया तो 800 ग्राम के पैकेट में 53.30 ग्राम कम वजन निकला। एवरेज के मान से कम मिले माल की कीमत करीब 7 रुपए थी।

उपभोक्ता फोरम में भी केस कराएंगे दर्ज

उपभोक्ता समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश अमोलिया ने बताया कि अगर सीधे उपभोक्ता आयोग जाते तो मामला रिजेक्ट हो सकता था। इसमें तकनीकी रूप से वजन को साबित करना मुश्किल होता है। इसीलिए पहले नापतौल विभाग में शिकायत की। यहां मामला अधिकृत रूप से पुष्ट हो चुका है। अब फरियादी को हर्जाना दिलाने के लिए अलग से एक केस उपभोक्ता फोरम में भी दाखिल किया जाएगा।

उपभोक्ता के साथ ठगी

नापतौल विभाग के उप-नियंत्रक एसए खान ने बताया पैक्ड प्रोडक्ट में वजन कम निकलने पर अर्थदंड अधिक लगता है। यह सीधे तौर पर उपभोक्ता के साथ ठगी की श्रेणी में आता है। लोगों को खरीदी करते समय जागरूक रहना चाहिए।

आज कमलनाथ के गढ़ में शाह भरेंगे हुंकार... करेंगे रोड शो

भोपाल/ । मध्य प्रदेश में लोकसभा चुनाव के दौरान छिंदवाड़ा भाजपा के लिए साख का सवाल बन गया है। इस सीट पर एक उपचुनाव को छोड़ भाजपा या अन्य कोई दल कांग्रेस के अलावा यहां नहीं जीता है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर के बाद अब 16 अप्रैल को अमित शाह छिंदवाड़ा में रोड शो करेंगे। प्रदेश सरकार पूरी तरह से छिंदवाड़ा पर फोकस कर रही है। डॉ. मोहन यादव मुख्यमंत्री बनने के बाद से अब तक सात बार छिंदवाड़ा जा चुके हैं। लोकसभा चुनाव के प्रचार में वे लगातार छिंदवाड़ा जा रहे हैं और कमलनाथ और कांग्रेस पर हमलावर हैं। पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान, मंत्री प्रह्लाद पटेल और भाजपा कद्दावर नेता कैलाश विजयवर्गीय छिंदवाड़ा में ही कैंप किए हुए हैं। भाजपा ने छिंदवाड़ा सीट जीतने के लिए पहले कमलनाथ के करीबियों को ही तोड़ लिया। अमरवाड़ा से विधायक कमलेश शाह, महापौर विक्रम अहाके, पूर्व मंत्री दीपक सक्सेना, चौरई से पूर्व विधायक गंभीर सिंह समेत सैकड़ों की संख्या में पार्टी के कार्यकताओं को भाजपा में शामिल कर लिया।

ग्रामीण क्षेत्र पर फोकस = भाजपा का शहर में वोट बैंक है। इस बार भाजपा सबसे ज्यादा अपना प्रचार ग्रामीण इलाकों में कर रही है। भाजपा प्रत्याशी लगातार गांव के दौरे कर रहे हैं। यहां से कांग्रेस का वोट बैंक को तोड़ा जा रहा है।

आदिवासी वोटरों में सेंध = पिछले चुनाव में नकुलनाथ को लीड वोट में आधे अमरवाड़ा से मिले थे। यह आदिवासी वर्ग के लिए आरक्षित सीट है। भाजपा ने अमरवाड़ा विधायक कमलेश शाह को पार्टी में शामिल कर लिया है। इससे कांग्रेस के बड़े वोट बैंक में सेंध लग सकती है।

2014 व 2019 में भी कांग्रेस के साथ रहा छिंदवाड़ा मध्य प्रदेश में 2014 के लोकसभा चुनाव में मोदी लहर में भाजपा दो सीट नहीं जाती पाई थी। इसमें गुना-शिवपुरी और छिंदवाड़ा सीट शामिल थी। 2019 के चुनाव में भाजपा ने 29 में से 28 सीटें जीती, लेकिन छिंदवाड़ा से कांग्रेस के नकुलनाथ चुनाव जीते। इस बार भाजपा ने प्रदेश की सभी 29 की 29 सीटें जीतने का लक्ष्य तय किया है। वहीं, पिछले दो विधानसभा चुनाव में जिले की सातों विधानसभा सीटों पर कांग्रेस का कब्जा रहा।

चार दशक में सिर्फ एक चुनाव हारे नाथ छिंदवाड़ा सीट पर कमलनाथ 1980 में पहली बार सांसद बने। इसके बाद वह 9 बार सांसद रहे। 1997 के उपचुनाव में कमलनाथ पूर्व मुख्यमंत्री सुंदरलाल पटवा से चुनाव हार गए थे। हालांकि एक साल बाद आम चुनाव में फिर कमलनाथ ने चुनाव जीत लिया। अभी कमलनाथ छिंदवाड़ा सीट से विधायक हैं। वहीं, इस सीट पर एक बार उनकी पत्नी अलका नाथ 1996 और बेटे नकुलनाथ 2019 में सांसद बने।

कमलनाथ ने संभाला मोर्चा कमलनाथ का छिंदवाड़ा की जनता से चार दशक पुराना रिश्ता है। उनका जनता से भावनात्मक जुड़ाव है। अब वे जनता को उनके छिंदवाड़ा से जुड़ाव की बातें कर रहे हैं। उनको अपने पुराने दिन की याद दिला रहे हैं। पूरा नाथ परिवार चुनाव मैदान में उतर गया है। उनके द्वारा भी सबसे ज्यादा फोकस भावनात्मक बयानों के साथ ही आदिवासी वोटरों को साधने पर किया जा रहा है। दरअसल छिंदवाड़ा में करीब 38 प्रतिशत यानी साढ़े छह लाख आदिवासी वोटर हैं।

दो बार नाथ से हारे प्रत्याशी पर दांव भाजपा ने छिंदवाड़ा में कमलनाथ से दो बार चुनाव हारे विवेक बंटी साहू को लोकसभा प्रत्याशी बनाया है। बंटी साहू कमलनाथ से दो बार विधानसभा का चुनाव हारे चुके हैं। हालांकि भाजपा की छिंदवाड़ा की सीट जीतने की उम्मीद इसलिए बढ़ी है, क्योंकि जीत का मार्जिन बहुत कम हो गया है। 2019 के लोकसभा चुनाव में नकुलनाथ करीब 37 हजार वोटों से जीते। वहीं, कमलनाथ विधानसभा चुनाव भी करीब 25 हजार वोट से जीते।

जानकार बोले- अब पक्ष में माहौल दिख रहा है, इसलिए शाह आ रहे वरिष्ठ पत्रकार प्रभू पटैरिया कहते हैं कि हो सकता है 2014 और 2019 की परिस्थिति या सर्वे में उनके पक्ष में माहौल नहीं दिख रहा हो। इसलिए प्रधानमंत्री ने उन सीटों पर ज्यादा फोकस किया होगा, जहां पर उनके जाने से जीतने की संभावना बढ़ जाती है। अमित शाह भी पिछले दो चुनाव में छिंदवाड़ा नहीं गए थे। अब आ रहे हैं। ऐसा माना जा रहा है कि उन्हें अब वहां पर अपने पक्ष में माहौल दिख रहा हो।

पर्यावरणविद बोले- बड़े तालाब के कैचमेंट और वन क्षेत्रों में फ्लाईओवर, अंडरपास व एलिवेटेड कॉरिडोर बने ताकि जल, जंगल और वन्यजीवों का हो सके संरक्षण

बड़े तालाब के लिए खतरा बनेगा वेस्टर्न बायपास

41 किलोमीटर रहेगी लंबाई
06 किलोमीटर वन क्षेत्र होगा शामिल
12 किलोमीटर कैचमेंट से होकर गुजरेगी सड़क
15-20 मिनट की होगी बचत

भोपाल/ । राजधानी में अधूरी रिंग रोड पूरी करने के लिए राज्य सरकार ने 41 किलोमीटर लंबे वेस्टर्न भोपाल बायपास के निर्माण की योजना बनाई है। इसके निर्माण में बड़े तालाब के कैचमेंट और चंदनपुरा का बाघभ्रमण क्षेत्र भी शामिल है। इसे लेकर शहर के पर्यावरणविद वेस्टर्न बायपास को बड़े तालाब के लिए खतरा बता रहे हैं। वहीं छह किलोमीटर का वन क्षेत्र भी इसके दायरे में आ रहा है, इस पर भी उनकी आपत्ति है। पर्यावरणविदों की मांग है, कि बड़े तालाब के कैचमेंट और वन क्षेत्रों में फ्लाईओवर, अंडरपास व एलिवेटेड कारिडोर का निर्माण किया जाए। जिससे जल, जंगल और वन्यजीवों का संरक्षण हो सके।

वेस्टर्न बायपास बनाने का जिम्मा एमपीआरडीसी (मप्र रोड डेवलपमेंट कार्पोरेशन) को सौंपा है। एमपीआरडीसी ने भी दो वर्षों में निर्माण कार्य पूरा करने के लिए दिल्ली की एक कंपनी से अनुबंध किया है। ऐसे में जल्द ही यह परियोजना धरातल पर नजर आएगी। वर्तमान भोपाल बायपास नर्मदापुरम रोड पर भैरोपुर से कोकता होते हुए सूखी से सेवनिया, अरलिया, कुराना, भौरी से भोपाल-इंदौर रोड तक बना है। यह 52 किमी लंबा है। यह बायपास होने के बाद भी कई वाहन शहर के अंदर से गुजरते हैं। वजह यह है कि यह रिंग रोड नहीं है, उसका आधा हिस्सा है। रिंग रोड को पूरा करने के लिए वेस्टर्न भोपाल बायपास प्लान किया गया है। इसके बनने का यह फायदा होगा कि नर्मदापुरम, जबलपुर, इंदौर से सीधी कनेक्टिविटी बेहतर होगी। शहर के उत्तरी-दक्षिण हिस्से से ट्रैफिक नए बायपास से ही बाहर निकल जाएगा। नर्मदापुरम, जबलपुर से इंदौर की ओर जाने वाले वाहनों को भीतर से गुजरने की जरूरत नहीं होगी। इससे यात्रा का समय कम से कम 15-20 मिनट कम हो जाएगा। वाहनों का ईंधन भी बचेगा।

नुकसान = कैंचमेंट में सड़क बनने से रुकेगा बड़े तालाब का पानी पर्यावरणविद सुभाष सी पांडे बताते हैं कि, यह सड़क करीब 12 किलोमीटर बड़े तालाब के 12 कैचमेंट गांव और कुलांस नदी के बहाव क्षेत्र से होकर गुजरेगी। दरअसल भोपाल के बड़े तालाब में पानी, सीहोर और इसके आसपास के गांवो से बहकर आता है। यदि इसके बीच सड़क बना दी जाती है, तो वर्षा का पानी बड़े तालाब में नहीं पहुंचेगा। इससे अच्छा होता कि पुराने भोपाल-रायसेन मार्ग, जो नीलबड़, रातीबड़, सरवर और झागरिया होकर सीहोर बायपास में जुड़ता है। इस सड़क को सिक्सलने कर दिया जाए। इससे निर्माण की लागत भी घटेगी और कैचमेंट का क्षेत्र भी प्रभावित नहीं होगा।

बाघ भ्रमण क्षेत्र में बने एलिवेटेड कारिडोर और अंडरपास टाउन प्लानर प्रभाष जेटली का कहना है, कि यह सड़क रायसेन जिले में भैरापुर के आगे अथिया कला से शुरू होकर इंदौर रोड में फंदा कला पर समाप्त होगी। इसके बीच करीब छह किलोमीटर का रास्ता बाघ भ्रमण क्षेत्र से होकर गुजरेगा। इसमें कालापानी, महाबड़िया, बोरदा, धानपुर, काकड़िया, समसगढ़ और समसपुर शामिल है। यह क्षेत्र वन्य प्राणियों के विचरण और रहवास के साथ प्रजनन के लिए उपयुक्त है। यदि यहां से होकर सड़क गुजरती है, तो वन्यजीवों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। जंगल में एक ओर से दूसरी ओर जाने के लिए जानवरों को सड़क पार करनी होगी। जिससे दुर्घटना की संभावना बढ़ेगी। इससे बचने के लिए जरुरी है, कि छह किलोमीटर के दायरे में अंडरपास और एलिवेटेड कारिडोर बनाया जाए।

फर्जी नर्सिंग कॉलेजों के खिलाफ सीबीआई ऑफिस पहुंची एनएसयूआई

नर्सिंग कॉलेजों की रिपोर्ट सार्वजनिक कर फिर से करें जांच

भोपाल। मध्यप्रदेश में हुए नर्सिंग कॉलेज में फर्जीवाड़ा थमने का नाम नहीं ले रहा है। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के निर्देश पर सीबीआई ने 308 नर्सिंग कॉलेज की जांच की थी, जिसमें 169 नर्सिंग कॉलेजों को सूटेबल और 66 को अनसूटेबल बताया गया था। 73 नर्सिंग कॉलेज में कमियां बताई थीं, लेकिन अब सीबीआई की जांच पर ही सवाल खड़े हो रहे हैं। एनएसयूआई मेडिकल विंग ने एनएसयूआई नेता रवि परमार के नेतृत्व में सोमवार को सीबीआई के क्षेत्रीय कार्यालय पहुंचकर क्षेत्रीय निदेशक को ज्ञापन सौंपा गया। इसमें फर्जी नर्सिंग कॉलेजों की जांच रिपोर्ट में सूटेबल बताए गए नर्सिंग कॉलेजों की रिपोर्ट सार्वजनिक कर पुनः जांच करने की मांग की गई। साथ ही मांग की है कि सीबीआई भी अगर जांच के नाम पर सिर्फ लीपापोती करेगी तो फिर आम नागरिक किसके ऊपर भरोसा करेगा ? परमार ने ज्ञापन में कहा कि सीबीआई द्वारा नर्सिंग कॉलेजों की जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत की गई, लेकिन भोपाल के कई कॉलेज ऐसे हैं जिनको सीबीआई की रिपोर्ट में सूटेबल बताया गया है। जबकि हकीकत कुछ और ही है। रवि ने भोपाल के एपीएस नर्सिंग एकेडमी, मेहको नर्सिंग कॉलेज, अरविंदों नर्सिंग कॉलेज, मलय नर्सिंग कॉलेज की जांच में लीपापोती का आरोप लगाते हुए कहा कि सीबीआई द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट में इन सभी कॉलेज को सूटेबल बताया गया है जबकि यह सभी कॉलेज नियम विरुद्ध संचालित हो रहे हैं।

नर्सिंग कॉलेजों की किया जाए दोबारा निरीक्षण परमार ने कहा कि एनएसयूआई आपसे मांग करती है कि इन नर्सिंग कॉलेजों की निरीक्षण रिपोर्ट सार्वजनिक कर पुनः निरीक्षण करवाया जाए और फर्जी निरीक्षण रिपोर्ट तैयार कर जमा करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई करने के निर्देश दें, जिससे स्वतंत्र जांच एजेंसी की कार्रवाई पर आम जनमानस का विश्वास बना रहे।

'प्रत्येक वोट जरूरी है' पर राज्य स्तरीय स्लोगन प्रतियोगिता, 51 से 11 हजार रुपए तक के मिलेंगे पुरस्कार

जिसका जितना अच्छा स्लोगन, उसे उतना ज्यादा इनाम

भोपाल । मध्य प्रदेश में लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए चुनाव आयोग पूरा प्रयास कर रहा है। इसके लिए प्रचार प्रसार के साथ ही अब लोगों को प्रेरित करने के लिए प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जा रहा है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने बताया है कि लोकसभा निर्वाचन 2024 में मतदान का प्रतिशत बेहतर हो, इसके लिए मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत 'प्रत्येक वोट जरूरी है' विषय पर राज्य स्तरीय स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही 10 प्रतिभागियों को विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। प्रतियोगिता में प्राप्त प्रविष्टियों के मूल्यांकन के लिए राज्य स्तरीय चयन समिति का गठन भी किया गया है। चयन समिति के मूल्यांकन के बाद परिणाम घोषित किए जाएंगे।

25 अप्रैल तक भेज सकते हैं प्रविष्टि उन्होंने बताया कि प्रतिभागियों को अपनी प्रविष्टि स्त्र.8ड्म5.ह्ल पोर्टल पर भेजनी होगी। इसके साथ ही प्रतियोगिता से संबंधित जानकारी मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय की वेबसाइट पर भी उपलब्ध रहेगी। गुरूवार 25 अप्रैल तक प्रतिभागी अपनी प्रविष्टि भेज सकेंगे। 10 प्रतिभागियों को 5,100-5,100 रुपये का विशेष पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र दिया जाएगा। पुरस्कार के लिए श्रेष्ठ प्रविष्टि का चयन मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय द्वारा गठित राज्य स्तरीय चयन समिति द्वारा किया जाएगा। चयन समिति का निर्णय अंतिम होगा।

विजयी प्रतिभागियों को मिलेगी पुरस्कार राशि
प्रथम पुरस्कार - 51,000 एवं प्रमाण पत्र
द्वितीय पुरस्कार - 21,000 एवं प्रमाण पत्र
तृतीय पुरस्कार - 11,000 एवं प्रमाण पत्र

नियम एवं शर्तें
-प्रतिभागी को मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना चाहिए।
-एक प्रतिभागी की एक प्रविष्टि अधिकतम 25 से 30 शब्दों की मान्य होगी।
-प्रविष्टि मौलिक, अर्थपूर्ण एवं हिंदी भाषा में होना चाहिए।
-प्रविष्टि में किसी भी उत्तेजक या आपत्तिजनक शब्द का प्रयोग नहीं होना चाहिए।
-प्रतिभागी प्रविष्टि के साथ अपना नाम, पता, मोबाइल नंबर एवं ईमेल आईडी भी जरूर लिखें।

कचरा पड़ा मिला तो जब्त होंगे प्लॉट, संपत्तिकर में जुड़ेगा जुर्माना

नगर निगम ने शुरू की स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 की तैयारी, निगमायुक्त ने अधिकारियों को दिए सख्ती बरतने के निर्देश

भोपाल । नगर निगम ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 की तैयारी शुरू कर दी है। ऐसे में बाजार क्षेत्र व रहवासी क्षेत्रों की सफाई पर जोर दिया जा रहा है। जिन प्लाटों पर कचरे के ढेर लगे हैं, उन पर जुर्माना किया जा रहा है। अब निगमायुक्त हरेंद्र नारायण ने ऐसे प्लाटों को जप्त करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही इसका जुमार्ना उनके संपत्तिकर में जोड़ने को कहा है।

निगम अधिकारियों ने बताया कि भूखंडो पर अगर गंदगी मिली तो मालिक पर जुमार्ने की कार्रवाई की जाएगी। अगर जुमार्ना नहीं चुकाया तो प्लाट जब्त कर नगर निगम नीलामी करेगा। जिन प्लॉटों के संपत्तिकर खाते हैं, उनके टैक्स में जुमार्ने की रकम भी जोड़ी जाएगी और उसे मय पेनाल्टी वसूला जाएग। इसकी शुरूआत निगम ने कोलार स्थित गिरधर कालोनी, कस्टम कालोनी और सर्वधर्म कसलोनी से कर दी है। निगम बेनामी खाली भूखंडो पर नीलामी बोर्ड लगा रहा है।

बीते वर्षों में यहां हुई कार्रवाई-दरअसल वर्ष 2023 में तत्कालीन निगम आयुक्त केवीएस चौधरी ने खाली भूखंड सफाई कराने के साथ ही इसमें होने वाले खर्च की वसूली मालिक से करने का आदेश दिया था। इसके बाद आनन-फानन में 10 भूखंडो की सफाई कराई गई और प्रति प्लाट 10 हजार रुपए खर्च मानकर एक लाख रुपए की वसूली की गई। 2022 में भी आयुक्त के निर्देश पर खाली प्लाटों पर कार्रवाई शुरू की गई और दो दिनों में निगम ने सख्ती दिखाते हुए 32 प्लाटों का सर्वे किया और प्लसट मालिकों पर नौ हजार 700 रुपए का जुमार्ना किया है।

एक ही देश के अलग-अलग हाजियों के लिए तय किए खर्च में असमानता

भोपाल-इंदौर से जाने वालों को देना होगा मुंबई-दिल्ली से ज्यादा रकम

भोपाल/ ।सफर-ए-हज पर जाने वाले मप्र के हाजियों को मुंबई, दिल्ली या देश के अन्य इंबोर्केशन पॉइंट्स के मुकाबले ज्यादा रकम अदा करना पड़ेगी। रकम की यह अधिकता भी इतनी है कि सामान्य सफर पर जाने वाला यात्री इस राशि में दिल्ली या मुंबई की कई बार यात्रा करके लौट आए। देशभर के अलग-अलग राज्यों से हज पर जाने वाले मुसाफिरों के लिए हज कमेटी ऑफ इंडिया ने खर्च की अलग अलग दरें निर्धारित कर उनसे बकाया रकम करने का तकादा लगाया है। इस राशि की अदायगी के लिए 27 अप्रैल की अंतिम तारीख तय की गई है।

सेंट्रल हज कमेटी ने हजयात्रा 2024 के चयनित आवेदकों से हज खर्च की आखिरी किश्त जमा करने के लिए कहा है। 27 अप्रैल तक जमा की जाने वाली कुल राशि में से अब तक जमा की जा चुकी दो किश्तें (81800+1,70,000) कम करने के लिए कहा गया है। हज कमेटी ऑफ इंडिया द्वारा तय की गई कुल राशि के मुताबिक हर प्रदेश के लिए अलग-अलग खर्च तय किया गया है। हज कमेटी ऑफ इंडिया द्वारा तय की गई हज राशि में मुंबई इंबोर्केशन पॉइंट का खर्च 3 लाख 21 हजार 150 निर्धारित किया गया है। जबकि दिल्ली इंबोर्केशन पॉइंट के लिए यह खर्च 3 लाख 30 हजार 100 रुपए है। इसके विपरीत मप्र के दोनों इंबोर्केशन पॉइंट इन दोनों शहरों से महंगे। जहां भोपाल के हाजियों को दिल्ली के मुकाबले 57 हजार तो मुंबई के मुकाबले 66 हजार रुपये ज्यादा अदा करना होंगे। इसी तरह इंदौर के हाजियों के लिए दिल्ली के मुकाबले 68 हजार और मुंबई के मुकाबले 50 हजार रुपये ज्यादा भुगतान करना पड़ेगा। जबकि भोपाल या इंदौर से मुंबई और दिल्ली का हवाई किराया 5 से 7 हजार रुपये में पूरा हो जाता है।

सबसे महंगा खर्च बिहार के गया इंबॉर्केसन के लिए सेंट्रल हज कमेटी द्वारा एक ही देश के अलग-अलग हाजियों के लिए तय किए खर्च में बड़ी असमानता है। जहां तय किए गए खर्च में सबसे सस्ता मुंबई है। इसका कुल खर्च 3 लाख 21 हजार 150 रुपये है। वहीं देश का सबसे महंगा हज खर्च बिहार के गया इंबोर्केशन के लिए तय हुआ है। यहां से हज पर जाने वाले एक हाजी को 4 लाख 11 हजार 600 रुपये है। कई गुना ज्यादा वसूला जा रहा ऑल इंडिया उलेमा बोर्ड अध्यक्ष काजी सैयद अनस अली नदवी का कहना है कि आम दिनों में मक्का मदीना के लिए उमराह सफर के लिए अधिकतम राशि एक से सवा लाख से तक ली जाती है। इस राशि में निजी टूर ऑपरेटर टिकट, वीजा, होटल, खाना पीना, लोकल कन्वेंस से लेकर लॉन्ड्री और गाइड तक मुहैया कराते हैं, लेकिन हज खर्च इसके मुकाबले कई गुना वसूला जा रहा है। सरकारी व्यवस्था में होने वाली इस यात्रा में ठहरने के इंतजाम से लेकर घटिया एयर लाइंस तक की शिकायतें भी शामिल रहती हैं। काजी अनस ने कहा कि सरकारों के जिम्मे सभी धर्मों की आस्थाओं को पूरा कराना होता है। जिस तरह अन्य धर्मों के अनुयायियों के लिए रियायती और मुफ्त धार्मिक यात्राओं की व्यवस्था की जाती है। मुस्लिम समुदाय भी इस देश का नागरिक और हिस्सेदार हैं। उनके लिए भी उचित रास्ते निकाले जाने चाहिए। ताकि महंगाई और बड़े खर्च की वजह से किसी की आस्था अधूरी न रह जाए।

साम्पदकीय

खाद्य सुरक्षा नियमों और उनकी निगरानी की सख्त जरूरत

बोर्नविटा नाम से हर कोई वाकिफ होगा। बच्चों का यह पसंदीदा ड्रिंक माना जाता है। लेकिन अब इसको लेकर केंद्र सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सरकार के अनुसार अब बोर्नविटा को हेल्थ ड्रिंक नहीं माना जाएगा। कॉमर्स और इंडस्ट्री मिनिस्ट्री ने सभी ई-कॉमर्स वेबसाइट को अपने प्लेटफार्म से बोर्नविटा को ड्रिंक और बेवरेज की हेल्थ ड्रिंक की कैटेगरी से हटाने के लिए कहा है। राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग द्वारा तय नियमों और रेगुलेशन के तहत हेल्थ ड्रिंक की कोई परिभाषा तय नहीं की गई है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के तहत गठित एक समिति ने सीपीसीआर अधिनियम 2005 की धारा 14 के तहत अपनी जांच की। इसके बाद यह तय किया गया कि एफएसएस अधिनियम के तहत किसी भी हेल्थ ड्रिंक को डिफाइन नहीं किया गया है। दरअसल देश में अब तक हेल्थ ड्रिंक के नाम पर विज्ञापनबाजी ही हो रही थी। बचपन में हमें टीवी विज्ञापनों की मदद से यह विश्वास दिलाया गया कि हेल्थ ड्रिंक जैसे बोर्नविटा, बूस्ट और हॉर्लिक्स हमारी ग्रोथ के लिए बहुत जरूरी हैं। इसे पीने से मेंटल और फिजिकल ग्रोथ होती है। अभी भी हेल्थ ड्रिंक बनाने वाली कंपनियां यही दावा करती हैं। बच्चे भी चाव से दूध या किसी और पेय पदार्थ में मिलाकर इसे झटपट पी जाते हैं। अब सरकार ने बोर्नविटा और अन्य पेय पदार्थों को हेल्थ ड्रिंक के रूप में वर्गीकृत करने के लिए कहा है। सरकार की यह सलाह 2 अप्रैल को खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण एफएसएसएआई द्वारा ई-कॉमर्स वेबसाइटों को दी गई टिप्पणी के बाद आई है। एफएसएसएआई ने वेबसाइटों पर खाद्य पदार्थों के उचित वर्गीकरण का अनुरोध किया था। चूंकि 2006 के खाद्य मानक कानून या उसके बाद के किसी भी नियम में स्वास्थ्य पेय शब्द को परिभाषित या मानकीकृत नहीं किया गया था, इसलिए कोई भी पेय स्वस्थ्य होने का दावा नहीं कर सकता। फूड सेफ्टी अथॉरिटी (एफएसएसएआई) ने हेल्थ ड्रिंक के तौर पर वर्गीकरण के मुद्दे को उठाकर सही कदम उठाया है। भारत में पीढ़ियों से माल्ट आधारित पेय पदार्थों का सेवन किया जाता रहा है। बोर्नविटा, बूस्ट और हॉर्लिक्स जैसे पेय पदार्थ 14.4 अरब रुपए के बाजार में लगभग 70त हिस्सा रखते हैं। इनका सेवन पूरे भारत में बच्चे करते हैं, जो कथित तौर पर जरूरत से तीन गुना ज्यादा चीनी का सेवन कर रहे हैं। कुछ लोगों का मानना है कि माल्टआधारित पेय पदार्थों को अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड माना जाना चाहिए। यह बच्चों में मोटापे और किशोरों में मधुमेह के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं। कंपनियां तर्क देती हैं कि उनके उत्पादों पर लेबल साफ तौर पर लगे होते हैं और ग्राहक जागरूक होकर चुनाव करते हैं। लेकिन दशकों से इन पेय पदार्थों के विज्ञापनों में बच्चों के लंबा, मजबूत और ज्यादा दिमाग वाला बनने में सहायक के रूप में दिखाया जाता रहा है। दुकानों पर बिक्री अलग बात है, लेकिन ऑनलाइन स्टोर्स पर विज्ञापन ही असली उत्पाद होता है जहां आप सिर्फ क्लिक करते हैं। याद करें कि भारत सरकार ने 24 महीने से कम उम्र के बच्चों के लिए शिशु आहार और दूध के विकल्पों के विज्ञापन पर प्रतिबंध लगा दिया था, जिससे इन उत्पादों की वृद्धि कम हुई और स्तनपान और घर के खाने को बढ़ावा मिला।

भारतीय खाद्य कंपनियां और भारत में काम करने वाली बहुराष्ट्रीय कंपनियां यहां तक कि स्नैक्स को भी स्वस्थ के रूप में विज्ञापित करती हैं, लेकिन लेबलिंग का विरोध करती हैं। उपभोक्ताओं की जागरूकता ने आइसक्रीम बनाने वाली बड़ी कंपनियों को अपने ज्यादा चीनी वाले उत्पादों को दोबारा फ्रोजन डेजर्ट के रूप में लेबल करने के लिए मजबूर किया। यह परिपक्व हो रहे बाजार का संकेत है। हालांकि, खरीदारों का एक बड़ा वर्ग विज्ञापन और लेबल के आधार पर ही चीजें चुनता है। ज्यादातर उपभोक्ता लोकप्रिय उत्पादों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों के बारे में नहीं सोचते। कई लोगों के लिए 5 रुपए का बिस्कुट पैकेट, एक माल्ट पेय का पाउच या इंस्टेंट नूडल्स आसानी से मिलने वाला सबसे सस्ता भोजन है। ल्यह पूरा मामला खाद्य सुरक्षा नियमों और उनकी निगरानी की सख्त जरूरत को उजागर करता है।

एफएसएसएआई ने कहा कि गलत शब्दों का इस्तेमाल उपभोक्ता को गुमराह कर सकता है। इसलिए वेबसाइटों से विज्ञापनों को हटाने या सुधारने के लिए कहा गया है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के चेयरपर्सन प्रियांक कानूनगो ने भी वाणिज्य मंत्रालय, एफएसएसएआई और कई राज्य सरकारों को इस बारे में पत्र लि?खा था। उपभोक्ता मामलों के विभाग को पत्र लिखकर कहा गया था कि? बोर्नविटा समेत किसी भी ड्रिंक को हेल?दी ड्रिंक की कैटेगरी के तहत नहीं बेचा जाना चाहिए। एफएसएसएआई ने स्पष्ट किया कि हेल्थ ड्रिंक शब्द एफएसएस अधिनियम 2006 या खाद्य उद्योग को नियंत्रित करने वाले इसके नियमों और विनियमों के तहत परिभाषित नहीं है। इसके अलावा एनर्जी ड्रिंक्स शब्द की अनुमति सिर्फ कार्बोनेटेड और नॉन-कार्बोनेटेड वाटर बेस्ड पेय उत्पादों के लिए ही है। प्रॉपराइटरी फूड ऐसे खाद्य पदार्थ हैं, जो खाद्य सुरक्षा और मानक नियमों के दायरे में नहीं हैं। इस कार्रवाई की मदद से प्रोडक्ट्स के बारे में कस्टमर्स को सही जानकारी दी जा सकेगी। एफएसएसएआई के अनुसार, प्रॉपराइटरी फूड लाइसेंस के तहत आने वाले डेयरी बेस्ड, अनाज बेस्ड और माल्ट बेस्ड पेय पदार्थों को ई-कॉमर्स वेबसाइट पर हेल्थ ड्रिंक या एनर्जी ड्रिंक के नाम से नहीं बेचा जा सकेगा। कंपनियों को इनके लिए अलग कैटेगरी बनानी पड़ेगी। एफएसएसएआई ने स्पष्ट किया है कि हेल्थ ड्रिंक को एफएसएस एक्ट 2006 के तहत कहीं भी परिभाषित नहीं किया गया है। एनर्जी ड्रिंक भी सिर्फ कार्बोनेटेड और कार्बोनेटेड वाटर बेस्ड ड्रिंक्स के लिए इस्तेमाल किया जा सकेगा।

मतदाता के सामने विवेकपूर्ण मतदान की चुनौती

देश के चुनाव नतीजों के ट्रेंड को समझें तो बीते कुछ वर्षों से मतदाता वैचारिक आग्रह-दुराग्रहो और शाब्दिक लफ्फाजी के झांसे में आए बगैर मतदान के लिए उन बातों को प्राथमिकता देता ज्यादा लगता है, जो उसे किसी न किसी न रूप में सीधा फायदा पहुंचाती हैं फिर वह चाहे नकदी के रूप में हों, अवसर के रूप में हो या सुरक्षा अथवा आश्वस्ति के रूप में हो।

भाजपा और कांग्रेस सहित कुछ राजनीतिक दलों के 18 वीं लोकसभा चुनाव के लिए घोषणा पत्र जारी हो चुके हैं। कुछ के होने वाले हैं और बाकी कुछ के लिए घोषणा पत्र जारी करने से ज्यादा चिंता अपना राजनीतिक वजूद बचाने की है। सरसरी तौर पर देखा जाए तो सभी पार्टियों के चुनाव घोषणा पत्र में रेवड़ी कल्चर का अधिकाधिक विस्तार और होड़ है। बल्कि यूं कहें कि अपने वैचारिक फ्रेम में रेवड़ी संस्कृति को फिट करने और उसके औचित्य को जताने की पुरजोर कोशिश है। अब तक के अनुभव को देखते हुए कहा जा सकता है कि जिस पार्टी का घोषणा पत्र जितना लोक लुभावन और रेवड़ी पैक होता है, उसके सत्ता में आने की संभावना उतनी ही कम होती है।

इसका सीधा अर्थ यह है कि जिस पार्टी का राजनीतिक जनाधार जितना कम होता है, उसकी सियासी शिगूफेबाजी उतनी ही ज्यादा होती है। अगर आप इसी पैमाने पर सारे राजनीतिक दलों के घोषणा पत्रों की टेस्टिंग करें तो सचाई समझ आ जाएगी। इसी के साथ यह सवाल भी नत्थी है क्या चुनावों में मतदाता घोषणा पत्र देख-सुनकर भी वोट देता है या फिर मतदान का हरेक का अपना एक ईको सिस्टम होता है, जिसके अनुरूप वोटर वोट डालता है? वोटर के सामने बड़ी चुनौती यही है कि वह विवेकपूर्ण ढंग से मतदान कैसे करें? देश के चुनाव नतीजों के ट्रेंड को समझें तो बीते कुछ वर्षों से मतदाता वैचारिक आग्रह- दुराग्रहो और शाब्दिक लफ्फाजी के झांसे में आए बगैर मतदान के लिए उन बातों को प्राथमिकता देता ज्यादा लगता है, जो उसे किसी न किसी न रूप में सीधा फायदा पहुंचाती हैं फिर वह चाहे नकदी के रूप में हों, अवसर के रूप में हो या सुरक्षा अथवा आश्वस्ति के रूप में हो। वह जान चुका है कि चुनाव घोषणा पत्र हर चुनावी सावन में नए सिरे से किया जाने वाला राजनीतिक सुंदरकांड का पाठ है, जिसका व्यवहार के स्तर पर न तो कोई खास महत्व है और न ही वो पार्टियां भी चुनाव बाद इसकी धूल झाड़ती हों, जो जोर- शोर से इसे हर चुनाव की बेला में जारी करती हैं।

अंग्रेजी में चुनाव घोषणा पत्र को मेनीफेस्टो कहा जाता है। डिक्शनरी में इसका अर्थ ऐसे राजनीतिक बयान से है, जो सत्ता में आने पर संबंधित दल के कार्यक्रमों की रूप रेखा पेश करता हो, जिसमें सियासी दल की विचारधारा, अभिमत, कार्य योजना, दृष्टि और एप्रोच की झलक मिलती हो। इसे जानकर मतदाता यह तय कर सके कि किसे वोट देना बेहतर होगा, कौन देश अथवा प्रदेश को ठीक से चला सकता है, किसमें एक आम नागरिक की मूलभूत समस्याओं का निदान कर उसकी जिंदगी सुलभ बनाने की क्षमता और इच्छाशक्ति है। लेकिन मतदाता हमेशा इसी आधार पर वोट दे, यह जरूरी नहीं है।

वह प्रसंगानुरूप प्राथमिकताएं तय करके भी कई बार वोट करता है। इसीलिए एक बार जारी घोषणा पत्र राजनीतिक पार्टियों को भी अगले चुनाव में याद नहीं रहता। वो जनभावनाओं और अपेक्षाओं को रेवड़ियों के माध्यम से राजनीतिक दोहन का अधिकाधिक प्रयास करते दिखते हैं। क्योंकि घोषणा पत्रों की पुरानी शब्दावलियां और जुमले अब अपने अर्थ खो चुके हैं। (कुछेक राजनीतिक दल अभी भी उसी से चिपके हुए हैं, वो अलग बात है)। ऐसे में मतदाता को लुभाने के लिए दरकार है नए जुमलों, प्रतीकों और प्रलोभनों की। इसकी छाया हमे खुद घोषणापत्रों की वैकल्पिक संज्ञाओं में देखने को मिलती है। ज्यादातर पार्टियों ने घोषणा पत्रों के राजनीतिक पर्यायवाची खोज लिए हैं। मसलन न्याय पत्र, संकल्प पत्र, वचन पत्र, दृष्टि पत्र, गारंटी पत्र आदि। दिलचस्प बात यह है कि जैसे जैसे घोषणापत्रों में गारंटियों का पलडा भारी होता जा रहा है, विचार पक्ष का स्पेस उतना ही कम होता जा रहा है। घोषणा पत्र जारी करने में भी प्रतीकात्मक राजनीति का पूरा खयाल रखा गया है। मसलन कांग्रेस ने पूर्व केन्द्रीय मंत्री व दलित नेता बाबू जगजीवन राम के जन्म दिन पर घोषणा पत्र जारी किया तो भाजपा ने संविधान निमार्ता डॉ. बाबा साहब अंबेडकर की जयंती पर अपना घोषणा पत्र जारी किया।

इस बार चुनाव घोषणा पत्र में कांग्रेस का न्याय पत्र चर्चा में है। इसमें 5 न्याय और 25 गारंटियों की बात कही गई है। कहा जा रहा है कि यह घोषणा पत्र, वर्क, वेल्थ और वेलफेयर (काम, धन और कल्याण) के तत्वों पर आधारित है। इस घोषणा पत्र की भावना अच्छी है, लेकिन वादे हवाई ज्यादा हैं। कांग्रेस के घोषणा पत्र में एक बड़ा वादा सबकी महालक्ष्मी योजना का है। इसके तहत गरीब परिवारों को सीधे एक लाख रुपये नकद देना का वादा है। देश में बीपीएल परिवारों की संख्या करीब 30 लाख है। प्रत्येक परिवार को हर साल 1 लाख नकद देने के लिए सालाना 3 खरब रूपए चाहिए। ये कहां से आएंगे, स्पष्ट नहीं है।

दूसरी बात यह है कि कांग्रेस व अन्य विरोधी पार्टियां मोदी सरकार द्वारा 80 करोड़ गरीब परिवारों को मुफ्त राशन योजना देने की आलोचना इस आधार पर करती हैं कि सरकार फ्री अनाज के बजाए काम दे। अब इस 1 लाख रुपए को किस श्रेणी में रखा जाएगा। वैसे देश के पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदम्बरम का दावा है कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की आर्थिक नीतियों की वजह से देश में 10 सालों में 24 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले थे। वहीं अब मोदी सरकार का दावा है कि बीते दस साल में 24.8 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर निकले (नीति आयोग की रिपोर्ट)।

अगर दोनों को सही मान लिया जाए तो बीते 20 साल में कुल 50 हजार करोड़ आबादी जो कि कुल आबादी का एक तिहाई है, गरीबी रेखा से बाहर आ चुकी है। तो फिर सरकार किन 80 करोड़ बीपीएल परिवारों को मुफ्त राशन दे रही है?

इसी तरह कांग्रेस के न्याय पत्र में 30 लाख युवकों को सरकारी नौकरी देने की बात है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार आज देश में केंद्र सरकार के पास कुल नौकरियां ही 40 लाख हैं। इनमें भी 10 लाख पद खाली हैं। ये भर भी दिए जाएं तो बाकी 20 लाख को सरकारी नौकरी कैसे मिलेगी, यह सोचने की बात है। घोषणा पत्र में एक अहम वादा न्यूनतम मजदूरी बढ़ाकर 400 रुपए करने और आरक्षण की अधिकतम सीमा 50 फीसदी से बढ़ाने संविधान संशोधन करने का भी है, हालांकि यह जाति जनगणना के बाद ही संभव है।

कांग्रेस जाति जनगणना का वादा भी कर रही है, जिसकी वजह से खुद कांग्रेस के अगड़े नेताओं में भारी खदबदाहट है। इसके अलावा कांग्रेस के घोषणा पत्र में सत्ता में आने पर संवैधानिक संस्थाओं की आजादी बहाल करने तथा इलेक्टोरल बांड, पीएम केयर्स फंड, सरकारी सम्पत्तियों को बेचने तथा रक्षा सौदों की डील की जांच करने के भी वादे किए किए हैं।

हालांकि, ये मतदाता को कितना प्रभावित कर पाएंगे, कहना मुश्किल है। साथ ही कृषि उत्पादो के लिए एमएसपी गारंटी कानून लाने का वादा भी पूरा करना आसान नहीं है। गौरतलब है कि कांग्रेस ने 2019 के आम चुनाव घोषणा पत्र गरीब परिवारों को, हर महीना 6000 रुपये देने का वादा किया था। इसी के साथ देशभर के लिए 25 लाख रुपए तक फ्री इलाज की योजना (हालांकि राजस्थान में राहुल गांधी ने 50 लाख रु. तक के फ्री इलाज की घोषणा की थी, इसके बाद कांग्रेस वहां हार गई थी)।

उधर भाजपा के संकल्प पत्र में किसी नई लोकलुभावन योजना का वादा नहीं है, सिवाय आयुष्मान योजना में बुजुर्गों को सम्मिलित करने के। पार्टी आत्म संकल्प और आत्ममुग्धता के झूले में झूल रही है। चुनाव में भाजपा मुख्यत- अपने काम के आधार पर ही वोट मांग रही है। पार्टी मान रह है कि मोदी का नेतृत्व, राम मंदिर का निर्माण और 80 करोड़ लोगो को फ्री राशन चुनाव जीतने के ऐसे शर्तिया नुस्खे हैं, जिनके परे जाकर मतदाता कम ही सोचेगा। अलबत्ता दक्षिण भारत में लड़ा जरा अलग तरह की और ज्यादा कठिन है।

भाजपा देश में समान नागरिक संहिता लागू करने पर आमादा है। उसके घोषणा पत्र में देश के स्वर्णिम भविष्य के सपने ज्यादा हैं। वह खुद भी उम्मीदों की बुलेट ट्रेन में सवार है। पार्टी एक देश, एक जनादेश पर कायम है। खास बात यह है कि इस बार बीजेपी का सारा प्रचार मोदी केन्द्रित और मोदी निर्भर ही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अब केवल अपनी ही गारंटियों, काबिलियत और दूरदर्शिता की तारीफ करते नहीं थकते। इसका मतदाता पर कैसा असर होगा, यह चुनाव नतीजों से पता चलेगा। बावजूद इन तमाम बातों के बीजेपी के घोषणा पत्र में यह सावधानी अंतर्निहित है कि सत्ता में लौटने पर कोई वादा उसे भारी न पड़ जाए। विकास की दिशा वही रहे, जो उसने तय कर रखी है।

उधर कुछ क्षेत्रीय पार्टियों ने अपने चुनाव घोषणा पत्रों में ऐसी बातें भी शामिल की हैं, जो उनकी राष्ट्रीय महत्वाकांक्षों को परिलक्षित करती हैं। साथ में रेवड़ियां तो हैं ही। राष्ट्रीय जनता दल ने वादा किया है कि इंडिया गठबंधन के सत्ता में आने पर बिहार में 200 यूनिट फ्री बिजली दी जाएगी। बिहार को विशेष राज्य का दर्जा और 1 लाख 60 हजार करोड़ का स्पेशल पैकेज दिया जाएगा। राजद का एक बड़ा वादा देश में 1 करोड़ लोगों को सरकारी नौकरी देने, 30 लाख खाली पदों को भरने तथा 70 लाख नए पद सृजित करने का है। यह प्रक्रिया 15 अगस्त से शुरू भी हो जाएगी। यह बात अलग है कि आज देश में केन्द्र व राज्य सरकारों की मिलाकर कुल नौकरियां (सार्वजनिक उपक्रम भी मिला लें) सवा करोड़ से ज्यादा नहीं हैं।

खाली पद करीब भी 25 लाख से ज्यादा नहीं होंगे। राजद कुल जमा 23 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। इसी तरह डीएमके के घोषणा पत्र में महिलाओं को प्रति माह 1 हजार रू. देने व तमिलनाडु को नीट से छूट देने और पेट्रोल डीजल के दाम घटाने का वादा है। पार्टी ने सीएए कानून रद्द करने तथा समान नागरिक संहिता लागू न करने का वादा किया है। माकपा ने भारत के परमाणु निरस्त्रीकरण का वादा भी किया है। विश्व शांति के आग्रह से उपजे इस वादे में देश को सैन्य शक्ति के मामले में 1962 वाले दौर में ले जाने का मंतव्य ज्यादा झलकता है। मजेदार बात यह है कि इंडिया गठबंधन में शामिल माकपा ने कुछ मुद्दों पर जैसे कि कश्मीर में धारा 370 हटाने के मुद्दे पर सहयोगी कांग्रेस को कुछ मुद्दों पर फ्रेंडलीघेरा भी है।

एक समय था जब कांग्रेस और कम्युनिस्ट एक दूसरे के राजनीतिक दुश्मन हुआ करते थे। वामपंथी इतिहासकार मृदुला मुखर्जी ने एक लेख में बताया था कि देश के पहले आम चुनाव में कांग्रेस का घोषणा पत्र इसी चिंता पर आधारित था कि कम्युनिस्टों से मुकाबला कैसे किया जाए। इसी तरह सपा के घोषणा पत्र में समाजवादी पार्टी के घोषणा पत्र में जाति जनगणना, सबको न्याय, फ्री शिक्षा,महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण, खाली पड़े सरकारी पदों पर भर्ती, किसान कर्जमाफी व रक्षा क्षेत्र को मजबूत करने का वादा है। बसपा सुप्रीमो मायावती अपने वादे में पश्चिमी उत्तर प्रदेश को अलग राज्य बनाने की पैरवी कर रही हैं। तृणमूल कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल में लागू ह्यलक्ष्मीर भांडारह्ल, कन्याश्री तथा स्वास्थ्य साथी योजना पूरे देश में लागू करने की बात कही है। खास बात यह है कि दोनो प्रतिदंद्वी राजनीतिक दलों के गठबंधनों का कोई समन्वित घोषणा पत्र चुनाव में नहीं है। लिहाजा ये सभी सत्ता की लड़ाई स्वार्थ जनित शस्त्रास्त्रों से ही लड़ रहे हैं। मतदाता के सामने चुनौती यह है कि वह रेवडियों, हवाई वादो और जिंदगी से जुड़े मुद्दों के बीच किसको तरजीह दे। देश को, लोकतांत्रिक संस्थाओं को, धर्म या जाति को अथवा अपने हाथ और पेट को?

आज है महाअष्टमी, माता महागौरी की इस विधि से करें पूजा, धन और ऐश्वर्य की होगी प्राप्ति

नवरात्रि के आठवें दिन माता महागौरी की पूजा की जाती है। नवरात्रि की अष्टमी तिथि को बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है और कई लोग इस दिन कन्या पूजन भी करते हैं। माता महागौरी अपने भक्तों को सुख और ऐश्वर्य प्रदान करती हैं। नवरात्रि के दौरान अष्टमी तिथि को कैसे आपको माता महागौरी की पूजा करनी चाहिए और इनकी पूजा से कैसे फल आपको प्राप्त होते हैं, आइए विस्तार से जानते हैं।देवी दुर्गा की आठवीं शक्ति माता महागौरी को प्रसन्न करने के लिए आपको नवरात्रि के आठवें दिन प्रातःकाल जल्दी उठकर स्नान ध्यान कर लेना चाहिए। संभव हो तो इस दिन श्वेत वस्त्र धारण करें और माता को भी सफेद रंग के कपड़े अर्पित करें। पूजा की शुरुआत आपको या देवी सर्वभूतेषु माँ गौरी रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः मंत्र से करनी चाहिए। पूजा के दौरान आपको मोगरे के फूल, या सफेद रंग के फूल माता को अर्पित करने चाहिए। इसके बाद माता को रोली कुमकुम लगाना चाहिए। इसके बाद मिठाई, फल, काले चने माता को भोग के रूप में अर्पित करने चाहिए। तत्पश्चात आप दुर्गा सप्तशती का पाठ कर सकते हैं। अंत में माता की आरती आपको करनी चाहिए। माता महागौरी की पूजा से भक्तों को सुख और ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। इस दिन कन्याओं को अगर आप भोजन करवाते हैं, उनकी सेवा करते हैं और उपहार देते हैं तो माता के आशीर्वाद से आपके जीवन में खुशियां आती हैं। इसके साथ ही माता लक्ष्मी की कृपा भी आपको प्राप्त होती है। इस दिन मंत्रों का जप करना अतिउत्तम होता है, मंत्रों के जप से आपको मानसिक और शारीरिक सुख की प्राप्ति होती है। अगर संभव हो तो माता के भक्तों को इस दिन माता के किसी मंदिर भी अवश्य जाना चाहिए और वहां सामर्थ्य अनुसार दान करना चाहिए।

महाष्टमी की भस्मारती, सूर्य और चन्द्र से सजे बाबा महाकाल भक्तों को दिए दर्शन

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में आज चैत्र शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि पर मंगलवार तड़के भस्म आरती के दौरान चार बजे मंदिर के पट खुलते ही पण्डे पुजारी ने गर्भगृह में स्थापित सभी भगवान की प्रतिमाओं का पूजन कर भगवान महाकाल का जलाभिषेक दूध, दही, घी, शक्कर फलों के रस से बने पंचामृत से कर पूजन अर्चन किया। इसके बाद प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल को चांदी का मुकुट और रुद्राक्ष व पुष्पों की माला धारण करवाई गई। आज के श्रृंगार की विशेष बात यह रही कि आज मंगलवार की भस्मआरती में बाबा महाकाल का सूर्य व चन्द्रमा से श्रृंगार किया गया था।श्रृंगार के बाद बाबा महाकाल के ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढांककर भस्मी रमाई गई और भोग भी लगाया गया। महानिर्वाणी अखाड़े की और से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गई। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दिव्य दर्शनों का लाभ लिया, जिससे पूरा मंदिर परिसर जय श्री महाकाल की गूंज से गुंजायमान हो गया।

राम नवमी पर प्रभु राम के सूर्य तिलक की तैयारी, जानिए सूर्य उपासना का महत्व और नियम

17 अप्रैल 2024 को देशभर में राम नवमी मनाई जाएगी और इस बार राम नवमी का पर्व बहुत ही विशेष रहने वाला होगा। 500 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद पहली बार प्रभु श्रीराम के जन्म स्थान अयोध्या में बने भव्य महल में राम नवमी मनाई जाएगी। यहां पर सूर्यवंशी भगवान श्रीराम के माथे पर स्वयं सूर्यदेव तिलक करेंगे। 22 जनवरी 2024 को प्राण प्रतिष्ठा के बाद रामलला अयोध्या में अपने भव्य महल में विराजमान हुए हैं और अब भगवान राम के जन्मदिन यानी राम नवमी पर भगवान राम सूर्य तिलक होगा। रामनवमी पर भगवान राम का सूर्य तिलक करीब 4 मिनट तक रामलला के मस्तक की शोभा बढ़ाएंगे।हिंदू धर्म और वैदिक ज्योतिष शास्त्र में सूर्यदेव का विशेष महत्व होता है। वैदिक काल से ही सूर्य को प्रत्यक्ष देवता मानते हुए पूजा-उपासना होती आ रही है। सूर्यदेव को ऊर्जा का सबसे बड़ा स्त्रोत और पिता का दर्जा हासिल है। त्रेतायुग में भगवान विष्णु के सातवें अवतार के रूप में अयोध्या में सूर्यवंशी और मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु राम का जन्म हुआ था। भगवान राम अपने दिन की शुरुआत हमेशा सूर्यदेव को जल अर्पित करके किया करते थे। महर्षि अगस्त ने भगवान राम को सूर्य का प्रभावी मंत्र आदित्य ह्रदयस्तोत्र की दीक्षा दी थी।शास्त्रों में सूर्यदेव को प्रत्यक्ष देवता कहा जाता है और इनकी उपासना का विशेष महत्व होता है। हिंदू धर्म में पंचदेव की पूजा-उपासना के बारे में बताया गया है, जिसमें गणेश उपासना, शिव उपासना, विष्णु उपासना, देवी भगवती उपासना और सूर्य उपासना का महत्व होता है। ऐसी मान्यता है प्रतिदिन सूर्य उपासना करने से कई तरह के रोगों से मुक्ति मिलता है। सूर्यदेव की उपासना बेहद ही सरल मानी गई हैं। सूर्यदेव को प्रसन्न करने के लिए रोजाना सूर्योदय पर अर्ध्य दिया जाता है। ज्योतिष शास्त्र में भी सूर्यदे का विशेष महत्व होता है। ज्योतिष में सूर्य को आत्मा का कारक और ग्रहों का राजा माना गया है। जातकों की कुंडली में सूर्य का स्थान उनके जीवन में काफी प्रभाव डालता है। जिन जातकों की कुंडली में सूर्य उच्च और शुभ भाव में होता है उन्हें जीवन में हर तरह का मान सम्मान, कीर्ति और धन की प्राप्ति होती है। सूर्यदेव समूची पृथ्वी में मौजूद जीव-जंतुओं और वनस्पतियों में ऊर्जा के स्त्रोत हैं। सूर्य देव के प्रकाश से ही पृथ्वी का अंधकार दूर होता है और सृष्टि में प्राण शक्ति प्रवाहित होती है। सूर्य देव की दो पत्नियां हैं। एक पत्नी का नाम संज्ञा और दूसरी पत्नी का नाम छाया है। इनके अनेकों पुत्रों में यम और शनि तथा कन्याओं में यमुना और भद्रा श्रेष्ठ और तपस्वी हैं जिनमें यम को मरणोपरांत जीव को दंड देने का अधिकार और शनि, भद्रा को जीवलोक में ही दंड देने का अधिकार प्राप्त हैं। किसी भी जातक की जन्मकुंडली में अकेले सूर्य ही बलवान हों तो सभी ग्रहों का दोष शमन कर देते हैं।

ज्योतिष में सूर्य का महत्व- *वैदिक ज्योतिष शास्त्र में सूर्य ग्रह का विशेष महत्व होता है और सूर्य को तारों का जनक माना जाता है। सौर मंडल में सूर्य केंद्र में मौजूद है। कुंडली के अध्ययन में सूर्य का खास महत्व होता है, हालांकि खगोल शास्त्र के अनुसार सूर्य एक तारा है। सूर्य को कई अन्य नामों से भी जाना जाता है जैसे- आदित्य, रवि, भास्कर, अर्क, अरुण, भानु और दिनकर आदि। ज्योतिष में सूर्य देवता को पूर्व दिशा का स्वामी माना जाता है।*

मशहूर संगीतकार के जी जयन का निधन, शोक में डूबा पूरा परिवार

प्रसिद्ध संगीतकार के जी जयन का मंगलवार को त्रिपुनिथुरा में निधन हो गया। संगीतकार के जी जयन का निधन 90 साल की उम्र में हुआ। उनके परिवार और फैंस के लिए बड़े ही दुख की घड़ी है।

के जी जयन जयाविजया नाम से बनाई पहचान। के जी जयन और उनके जुड़वां भाई केजी विजयन का ब्रांड है जयाविजया। उन्होंने अपने संगीत के जरिए लोगों के दिलों में अपनी खास पहचान बनाई। उनके संगीत ने दर्शकों के मन में प्यार और भक्ति की भावनाएं जगाईं। उनके संगीत का प्रभाव पूरे केरल राय में देखा जा सकता है।

बॉलीवुड के बाद टॉलीवुड में छाने को तैयार खिलाड़ी, शुरू की पहली तेलुगु फिल्म की शूटिंग

अक्षय कुमार इस वक्त फिल्म बड़े मियां छोटे मियां की सफलता का आनंद ले रहे हैं। इस बीच उन्होंने अपनी अगली फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। अक्षय कुमार विष्णु मांचू की फिल्म कनप्पा के जरिए तमिल सिनेमा में एंट्री मार रहे हैं। इस फिल्म की शूटिंग उन्होंने शुरू कर दी है। इसकी जानकारी विष्णु मांचू ने पोस्ट साझा कर दी है।

बड़े मियां छोटे मियां के दीवाने हुए फैंस, सिनेमाहॉल में जमकर किया डांस

निर्देशक अली अब्बास जफर की फिल्म बड़े मियां छोटे मियां दर्शकों को बेहद पसंद आ रही है। इस फिल्म में पहली बार अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की जोड़ी फैंस को देखने को मिली। इस जोड़ी को एकसाथ देखना टाइगर-अक्षय के फैंस के लिए नया अनुभव रहा है। यह फिल्म कुछ लोगों को पसंद आ रही है, तो कुछ लोगों को यह फिल्म टाइमपास लग रही है। फिल्म में अक्षय और टाइगर के अलावा मानुषी छिल्लर और अलाया एफ हैं। इस फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा का भी छोटा सा रोल देखने को मिला।

इथियोपियन फैंस का वायरल डांस 11 अप्रैल को ईद वाले दिन रिलीज हुई अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ स्टारर फिल्म बड़े मियां छोटे मियां का क्रेज देश में ही बल्कि विदेश में भी देखने को मिल रहा है। यह यूं कह सकते है कि अक्षय-टाइगर की फैन फॉलोइंग देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी है। इस बीच फिल्म बड़े मियां छोटे मियां से जुड़ा एक वीडियो सामने आया है, जिसमें दोनों सितारों के इथियोपियन फैंस फिल्म के मस्त मलंग गाने पर ग्रुप डांस करते हुए नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में सभी फैंस फिल्म के गाने पर मस्ती में झूम रहे हैं। कई फैंस ने व्हाइट टी-शर्ट पहन रखी है, जिन पर अक्की लिखा हुआ है। कई फैंस ने फिल्म बड़े मियां छोटे मियां प्रिंटेड टी-शर्ट पहनी हुई हैं, तो कुछ फैंस गाने पर अक्षय-टाइगर के हुक स्टेप्स करते हुए नजर आ रहे हैं।

अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म वर्क फ्रंट की बात करें तो अक्षय कुमार स्काई फोर्स में नजर आएंगे। इस फिल्म में अक्षय कुमार एक एयर फोर्स ऑफिसर के रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म से अक्षय के अलावा वीर पहाड़िया नजर आएंगे। अक्षय की इस फिल्म को संदीप केवलानी और अभिषेक कपूर मिलकर निर्देशित करेंगे। यह फिल्म इस साल 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

हमलावरों के आगे गिड़गिड़ाईं राखी सावंत... रो-रोकर बोलीं- मेरे भाई को छोड़ दो प्लीज

बीते रविवार सलमान खान के मुंबई स्थित घर गैलेक्सी अपार्टमेंट के सामने हमलावरों ने फायरिंग की। पुलिस छानबीन में लगी है। आज इस मामले में क्राइम ब्रांच को बड़ी सफलता मिली है। गोली चलाने वाले दोनों आरोपी गुजरात के भुज से गिरफ्तार कर लिए गए हैं। सलमान खान के घर पर हुई फायरिंग के बाद अभिनेता के प्रशंसक और करीबी चिंता में हैं। इस मामले में अब राखी सावंत की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने इस मामले पर चिंता जाहिर करते हुए सलमान खान की सलामती के लिए हमलावरों से अपील की है कि वे सलमान को बख्श दें। राखी सावंत का एक वीडियो सामने आया है। इसमें वह कैमरे के सामने रोती-बिलखती दिख रही हैं। राखी सावंत कह रही हैं, मत करो ना मेरे भाई के साथ मत करो। प्लीज मैं हाथ जोड़ती हूं, बिश्नोई गिरोह, आपसे मिन्नतें करती हूं। आप लोगों से निवेदन करती हूं। वे लीजेंड हैं और उन्होने बहुत सारे लोगों का घर बचाया है। बहुत गरीब लोगों का भला किया

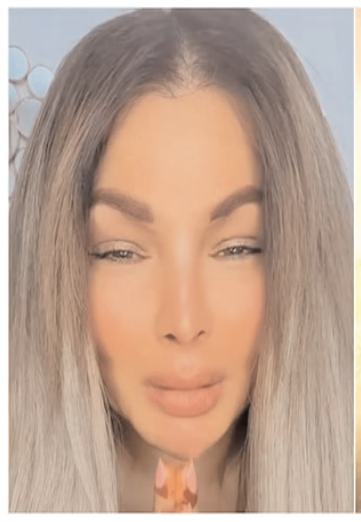

है। मैं हाथ जोड़ती हूं, क्या मिलेगा आप लोगों को? कितने घर चलते हैं उनकी वजह से, उनके एनजीओ की वजह से। राखी सावंत आगे कह रही हैं, मेरे भाई फिल्में में आते हैं कमाते हैं गरीबों के लिए, मुझ जैसे गरीबों के लिए, मेरी मां लिए उन्होने इतना किया है। मेरी मां का ऑपरेशन करवाया, करोड़ों लोगों का ऑपरेशन करवाते हैं। वो पूरे साल लोगों की मदद करते हैं, सलमान खान मेरे भाई हैं मैं उनकी बहन हूं, मत करो ना ऐसा प्लीज। मालूम हो कि राखी सावंत सलमान खान को बहुत मानती हैं। वह उन्हें अपना बड़ा भाई कहती हैं। राखी सावंत कई बार इस बात का जिक्र कर चुकी हैं कि उनकी मां के कैंसर के उपचार में सलमान खान ने आर्थिक मदद की थी। इससे पहले भी राखी सावंत कई बार सलमान खान को अपना समर्थन दे चुकी हैं। इस वीडियो पर यूजर्स अलग-अलग प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कुछ लोग सलमान खान के लिए दुआ कर रहे हैं तो कुछ राखी सावंत को ट्रोल कर रहे हैं। यह वीडियो विरल भियानी ने साझा किया है। एक यूजर ने लिखा, पहली बार राखी ने कुछ अछा बोला है, अबकी बार इन्हें सपोर्ट करना चाहिए। एक यूजर ने लिखा, इतनी कोशिश के बाद भी आपके आंसू नहीं आ पा रहे हैं। एक यूजर ने लिखा है, राखी आपको भगवान ने यह प्रतिभा दी है, इसे भगवान को ही वापस दे दो।

बड़े मियां छोटे मियां के दीवाने हुए फैंस, सिनेमाहॉल में जमकर किया डांस

11 अप्रैल को ईद वाले दिन रिलीज हुई अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ स्टारर फिल्म बड़े मियां छोटे मियां का क्रेज देश में ही बल्कि विदेश में भी देखने को मिल रहा है। यह यूं कह सकते है कि अक्षय-टाइगर की फैन फॉलोइंग देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी है। इस बीच फिल्म बड़े मियां छोटे मियां से जुड़ा एक वीडियो सामने आया है, जिसमें दोनों सितारों के इथियोपियन फैंस फिल्म के मस्त मलंग गाने पर ग्रुप डांस करते हुए नजर आ रहे हैं। इस वीडियो में सभी फैंस फिल्म के गाने पर मस्ती में झूम रहे हैं। कई फैंस ने व्हाइट टी-शर्ट पहन रखी है, जिन पर अक्की लिखा हुआ है। कई फैंस ने फिल्म बड़े मियां छोटे मियां प्रिंटेड टी-शर्ट पहनी हुई हैं, तो कुछ फैंस गाने पर अक्षय-टाइगर के हुक स्टेप्स करते हुए नजर आ रहे हैं। अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म वर्क फ्रंट की बात करें तो अक्षय कुमार स्काई फोर्स में नजर आएंगे। इस फिल्म में अक्षय कुमार एक एयर फोर्स ऑफिसर के रोल में नजर आएंगे। इस फिल्म से अक्षय के अलावा वीर पहाड़िया नजर आएंगे। अक्षय की इस फिल्म को संदीप केवलानी और अभिषेक कपूर मिलकर निर्देशित करेंगे। यह फिल्म इस साल 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

जापान में धूम मचा रही डिटेक्टिव कॉनन, गॉडजिला - कॉन्ग ने की इतने मिलियन डॉलर की कमाई

गॉडजिला × कॉन्ग द न्यू एम्पायर बॉक्स ऑफिस पर राज कर रही है। अंतर्राष्ट्रीय बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने एक बिलियन डॉलर का आंकड़ा पार लिया है। 71 बाजारों से 33.7 मिलियन डॉलर की कमाई हुई। यह पिछले सप्ताहांत की तुलना में 47 फीसदी की गिरावट के बाद अछा था। इसी बीच कई और फिल्में- ड्यून पार्ट टू भी सात सौ मिलियन तक पहुंचने का लक्ष्य रखती है। इसके साथ ही कई और फिल्मों अछा कारोबार कर रही हैं। विशेष रूप से जापान में केस क्लोड फ्रेंचाइजी की 27वीं फिल्म, डिटेक्टिव कॉनन-द मिलियन-डॉलर पेंटाग्राम सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रही हैं। इन सभी फिल्मों में फिल्म गॉडजिला एक्स कॉन्ग 45

फीसदी आगे है। ये मेग 2: द ट्रेंच से 21 प्रतिशत अधिक, गॉडजिला बनाम कांग से 9 प्रतिशत अधिक ड्यून से एक परसेंट अधिक है। विशेष रूप से चीन में गॉडजिला × कॉन्ग, मेग 2: द ट्रेंच के बाद 100 मिलियन डॉलर पार करने वाली पहली हॉलीवुड फिल्म बन गई है। गॉडजिला × कॉन्ग कंबोडिया में डब्ल्यूबी की अब तक की सबसे बड़ी फिल्म है। यूएई में इसे मॉन्स्टरवर्स का सबसे अछा शुरुआती सप्ताहांत बताया है। अभी तक ये सात बाजार रिलीज होना बाकी है। जिनमें इस सप्ताह अधिकांश मध्य पूर्व और अगले सप्ताह जापान शामिल हैं। अब तक के शीर्ष 5 बाजारों में चीन 108.8 मिलियन डॉलर, मैक्सिको 27.7 मिलियन डॉलर, यूके 14.6

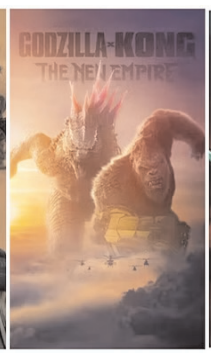

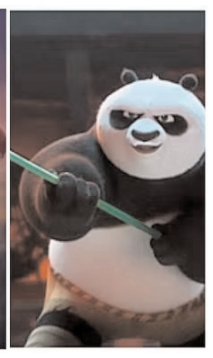

मिलियन डॉलर, भारत 12.8 मिलियन डॉलर और ऑस्ट्रेलिया 9.5 मिलियन डॉलर हैं। यूनिवर्सल/ड्रीमवर्क्स एनिमेशन के कुंग फू पांडा 4 ने इस सप्ताह के अंत में पांच बाजार जोड़े, जिससे कुल 81 में 25.9 मिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हुई। वहीं, कुंग फू पांडा 4 ने चीन और रूस को छोड़कर विदेशों में कुंग फू पांडा 3 में शीर्ष स्थान हासिल किया है। कुंग फू पांडा 4 ने कोरिया में शानदार शुरुआत की, जो बाजार में किसी एनिमेटेड शीर्षक के लिए अब तक का दूसरा सबसे बड़ा शुरुआती दिन था। साथ ही फ्रैंचाइजी का सबसे अछा शुरुआती और वर्ष का भी सबसे अछा शुरुआती दिन था। कुल मिलाकर फिल्म ने कोरिया में 6.1 मिलियन कमाए। यह 22 फरवरी को फिल्म के प्रदर्शित होने के बाद से एक्सहुमा को नंबर एक से हटाने वाली पहली फिल्म बन गई। अब तक के शीर्ष पांच बाजार- चीन 44.9 मिलियन डॉलर, मेक्सिको 33.1 मिलियन डॉलर, यूके 21.5 मिलियन डॉलर, जर्मनी 14.1 मिलियन डॉलर और इटली में 10.9 मिलियन डॉलर है।ड्यून 2 ने 76 बाजारों में 7.2 मिलियन डॉलर जोड़ा। दुनिया भर में 683.9 मिलियन डॉलर के साथ अंतर्राष्ट्रीय कुल 411.8 मिलियन डॉलर है। यहां अब तक के शीर्ष पांच बाजार हैं, यूके 48.1 मिलियन डॉलर, चीन 48.1 मिलियन डॉलर, फ्रांस 41.8 मिलियन डॉलर, जर्मनी 38.7 मिलियन डॉलर और ऑस्ट्रेलिया 22 मिलियन डॉलर है। इस बीच टोहो के ऑस्कर विजेता द बॉय एंड द हेरॉन ने चीन में अपना मजबूत प्रदर्शन जारी रखा है। फिल्म की वैश्विक कुल कमाई अब 294.2 मिलियन डॉलर है। क्रिस्टोफर नोलन की सर्वश्रेष्ठ पिक्चर के ऑस्कर विजेता ओपेनहाइमर ने इस सप्ताह के अंत में जापान में 887 हजार डॉलर कमाए। रविवार तक ये 7.3 मिलियन डॉलर तक बढ़ गया। ओपेनहाइमर पर अब रविवार तक अंतर्राष्ट्रीय कुल 640.3 मिलियन डॉलर और वर्डवाइड 970.1 मिलियन डॉलर है।

बॉलीवुड के इन स्टारकिड्स पर कभी नहीं लगा नेपोटिज्म का आरोप, फैंस ने भी पलकों पर बिठा खूब दिया प्यार

बॉलीवुड इंडस्ट्री में आए दिन नेपोटिज्म को लेकर बहस छिड़ी रहती है। इंडस्ट्री में कंगना रणौत और करण जौहर के बीच इस मुद्दे पर अक्सर तीखी जुबानी जंग भी होती है। करण पर अक्सर यह आरोप लगता है कि वह इंडस्ट्री में स्टार किड्स को ही लॉन्च कर नेपोटिज्म को बढ़ावा देते हैं। स्टार किड्स को आसानी से फिल्में मिलने और अवॉर्ड्स मिलने पर अक्सर नेपोटिज्म की बहस शुरू हो जाती है। ये स्टार किड्स अक्सर सोशल मीडिया पर ट्रोल भी होते रहते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि जिन स्टार किड्स पर नेपोटिज्म ठप्पा लगाकर उन्हें ट्रोल किया जाता है, उनके माता-पिता भी स्टार किड्स ही हैं। 90 के दशक के जिन सितारों पर आप भर-भर कर प्यार बरसाते हैं, वह भी स्टार किड्स हैं, लेकिन कभी उन सितारों पर नेपोटिज्म का ठप्पा नहीं लगा। चलिए जानते हैं उन सितारों के बारे में, जो स्टार किड्स होकर भी नेपोटिज्म के दायरे में नहीं आए।

काजोल *इस लिस्ट में सबसे पहले बात करते हैं बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल की। काजोल ने खुद अपनी दमदार अदाकारी के दम पर इंडस्ट्री में अपनी खास जगह बनाई। 90 के दशक में बॉलीवुड पर राज करने वाली अभिनेत्री काजोल एक स्टार किड ही हैं। काजोल बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री तनुजा की बेटी हैं। उन्होंने अपने दम पर बॉलीवुड को कई हिट फिल्में दी हैं। उनकी अदाकारी पर कभी भी दर्शकों ने सवाल खड़े नहीं किए हैं। काजोल पर कभी भी नेपोटिज्म का ठप्पा नहीं लगा।*

अजय देवगन *इस लिस्ट में अगला नाम आता है बॉलीवुड सुपरस्टार अजय देवगन का। काजोल के पति अजय भी एक स्टार किड ही है। वह भी एक फिल्मी परिवार से ताल्लुक रखते हैं। अजय बॉलीवुड के मशहूर एक्शन निर्देशक वीरू देवगन के बेटे हैं। फिल्मी बैकग्राउंड से होने के बावजूद उन्हें कभी भी ट्रोलिंग का सामना नहीं करना पड़ा और न ही उनके ऊपर कभी नेपोटिज्म का आरोप लगा। हालांकि, अभिनेता की बेटी नीसा देवगन पर नेपोटिज्म का ठप्पा लग चुका है और उन्हें अक्सर सोशल मीडिया पर ट्रोल भी किया जाता है।*

सलमान खान *बॉलीवुड के दबंग खान सलमान खान भी इस लिस्ट में अपनी जगह बनाए हुए हैं। सलमान ने अपने दम पर इंडस्ट्री में खास पहचान बनाई और आज इंडस्ट्री पर राज करने वाले सबसे बड़े स्टार बन चुके हैं। सलमान का पूरा परिवार बॉलीवुड इंडस्ट्री से जुड़ा हुआ है। सलमान भी एक स्टार किड हैं। सुपरस्टार के पिता सलीम खान इंडस्ट्री के प्रसिद्ध स्क्रिप्ट राइटर और निर्देशक हैं। वहीं, भाईजान के दोनों भाई सोहेल खान और अरबाज खान भी अभिनेता और फिल्म निर्माता हैं। सलमान खान ने सलीम खान की पहचान का फायदा न उठाते हुए अपने दम पर इंडस्ट्री में कई हिट फिल्में दीं और लोगों के दिलों पर राज किया।*

संजय दत्त *बॉलीवुड सुपरस्टार संजय दत्त भी इस लिस्ट में शामिल हैं। अभिनेता ने कई दमदार किरदार निभाते हुए दर्शकों के दिल पर अपनी छाप छोड़ी। इंडस्ट्री के खलनायक संजू बाबा भी एक स्टार किड हैं, लेकिन इस कारण उन्हें कभी भी सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना नहीं करना पड़ा और वह अपने दम पर खुद को साबित करने में कामयाब रहे। संजय दत्त बॉलीवुड दिवंगत अभिनेता और अभिनेत्री सुनील दत्त और नरगिस के बेटे हैं।*

रणबीर कपूर *बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है। वह भी एक स्टार किड हैं, जो आज तक इंडस्ट्री पर राज कर रहे हैं। रणबीर ने अपनी दमदार अदाकारी के दम पर इंडस्ट्री में खास जगह बनाई। स्टार किड होते हुए भी कभी उन्हें नेपोटिज्म की बहस का शिकार नहीं बनना पड़ा। रणबीर कपूर दिवंगत अभिनेता ऋषि कपूर और अभिनेत्री नीतू कपूर के बेटे हैं।*

शाहिद कपूर *शाहिद कपूर ने कई दमदार किरदार निभाकर बॉलीवुड इंडस्ट्री में अपनी अलग छाप छोड़ी है। 90 के दशक में रोमांटिक हीरो बनकर उन्होंने इंडस्ट्री पर राज किया। अब वह एक्शन हीरो के तौर पर पहचाने जाते हैं। शाहिद भी एक स्टार किड हैं, लेकिन कभी भी उन पर नेपोटिज्म का आरोप नहीं लगा है। शाहिद बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता पंकज कपूर के बेटे हैं।*

बड़े मियां छोटे मियां-मैदान ने पांचवें दिन की कितनी कमाई? अन्य फिल्मों का भी जानें हाल

अप्रैल के महीने में ईद के मौके पर बॉक्स ऑफिस पर दो फिल्में मैदान और बड़े मियां छोटे मियां रिलीज हुईं। अजय देवगन की फिल्म को टिकट खिड़की पर उम्मीद के मुताबिक सफलता नहीं मिल सकी है। वहीं, अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ अभिनीत फिल्म को दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है। इनके अलावा क्रू और गॉडजिला × कॉन्ग भी सिनेमाघरों में टिकी हुई हैं। आइए जानते हैं कि सोमवार के दिन किस फिल्म का कैसा हाल रहा। एक्शन से भरपूर फिल्म बड़े मियां छोटे मियां को लोगों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन भी अहम किरदार में हैं। अली अब्बास जफर के निर्देशन में बनी यह फिल्म पहले वीकएंड पर बॉक्स ऑफिस पर झंडे गाड़ने में कामयाब रही। सोमवार को कामकाज वाला दिन होने के बावजूद फिल्म की पकड़ बरकरार रही। शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक पांचवें दिन इस फिल्म ने दो करोड़ 50 लाख रुपये का कलेक्शन किया। इसके साथ ही भारतीय बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की कुल कमाई 43.3 करोड़ रुपये हो गई है। अजय देवगन की मैदान बॉक्स ऑफिस पर अच्छी शुरुआत नहीं कर सकी है। फिल्म धीमी रफ्तार से आगे बढ़ रही है। लोगों की सकारात्मक प्रतिक्रिया की वजह से फिल्म की कमाई में शनिवार और रविवार को अच्छा उछाल

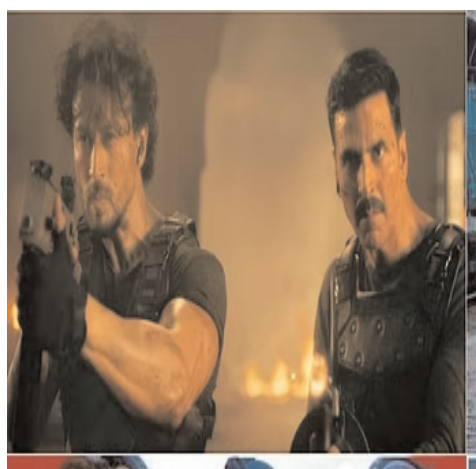

देखने को मिला था, लेकिन इसके बाद फिल्म के कलेक्शन में एक बार फिर गिरावट दर्ज की गई है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक सोमवार को फिल्म ने एक करोड़ 50 लाख रुपये का कलेक्शन किया है। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 23.5 करोड़ रुपये हो गई है। करीना कपूर खान, तब्बू और कृति सेनन की फिल्म क्रू बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई है। पहले हफ्ते में इस फिल्म ने 43.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। वहीं, दूसरे हफ्ते में फिल्म ने 21.45 करोड़ रुपये बटोरे थे। ताजा आंकड़ों के मुताबिक 19वें दिन फिल्म ने 43 लाख रुपये का कलेक्शन किया है। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 69.83 करोड़ रुपये हो गई है। गॉडजिला × कॉन्ग बॉक्स ऑफिस पर झंडे गाड़ने में कामयाब रही है। भारत में यह फिल्म अच्छी कमाई करने में सफल रही है। 18वें दिन फिल्म ने 72 लाख रुपये का कलेक्शन किया। अब फिल्म की कुल कमाई 89.87 करोड़ रुपये हो गई है।

यूपी के सहारनपुर लोकसभा सीट से होंगे पहले चरण के चुनाव

चुनाव लोकसभा का पर विधायकों की भी होगी परीक्षा,उससे भी तय होंगे नतीजे

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, पहले नंबर की सहारनपुर लोकसभा सीट जिस पर पहले चरण में 19 अप्रैल को मतदान होगा। वहां प्रमुख दलों के उम्मीदवारों की जीत-हार में उनके विधायकों की भूमिका भी रहेगी। दिलचस्प यह है कि तीन प्रमुख उम्मीदवारों में से दो का अपना कोई विधायक ही नहीं है। तीसरी बार चुनाव लड़ रहे भाजपा के राघव लखनपाल शर्मा के पक्ष में उनकी पार्टी के तीन विधायक सहारनपुर महानगर के राजीव गुंबर, रामपुर मनिहारान के देवेंद्र निम और देवबंद क्षेत्र के बृजेश सिंह चुनाव को अपनी प्रतिष्ठा का सवाल बनाकर अपने प्रत्याशी की जीत में दिन-रात एक किए हुए हैं। दूसरे प्रमुख उम्मीदवार कांग्रेस के इमरान मसूद जिनका भी यह तीसरा लोकसभा चुनाव है उनकी पार्टी का सहारनपुर संसदीय क्षेत्र में कोई विधायक नहीं है। इमरान मसूद पांचों विधानसभा क्षेत्रों में खुद ही अपने चुनाव अभियान की अगुवाई कर रहे हैं। अलबत्ता उनको समर्थन दे रही समाजवादी पार्टी के दो विधायक बेहट के उमर अली खान और सहारनपुर ग्रामीण के आशु मलिक का लाभ जरूर इमरान मसूद को मिल सकता है। लेकिन दोनों ही विधायकों के इमरान मसूद से 36 का आंकडा है। इस संबंध में सवाल करने पर इमरान मसूद चुप्पी साध लेते हैं। ध्यान रहे खुद समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव सहारनपुर सीट से बसपा सांसद फजलुर्रहमान कुरैशी को उम्मीदवार बनाना चाहते थे और कांग्रेस के कोटे में सीट चले जाने पर उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व से भी फजलुर्रहमान को उम्मीदवार बनाने की पेशकश की थी।

लेकिन कांग्रेस पार्टी अपने जुझारू मुस्लिम नेता इमरान मसूद के नाम पर ही अड़ी रही। इमरान मसूद का पूरे जिले के मुस्लिमों पर अच्छा-खासा प्रभाव माना जाता है। बेहट विधानसभा सीट पर तो 2007 के विधानसभा चुनाव में इमरान मसूद ने मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव सरकार में शामिल काबिना मंत्री जगदीश राणा को चुनाव में परास्त कर दिया था। इमरान मसूद को शायद ही सपा के दोनों विधायकों से उतना सहयोग मिल सके जितना अपेक्षित है। इमरान मसूद को मुस्लिम बहुल देवबंद सीट पर देवबंद के पूर्व पालिकाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक माविया अली से भी सहयोग मिलता नहीं दिख रहा है। देवबंद के पूर्व पालिकाध्यक्ष जियाउद्दीन अंसारी अस्वस्थ हैं। लेकिन उनकी हमदर्दी बसपा उम्मीदवार माजिद अली के साथ है। माजिद अली जिला पंचायत के सदस्य हैं। माजिद अली देवबंद क्षेत्र के काली नदी पार क्षेत्र के गांव फुलास के निवासी हैं। उनकी पत्नी बसपा से जिला पंचायत की अध्यक्ष रह चुकी हैं। बसपा का भी जिले में कोई विधायक नहीं है। माजिद अली थोड़े दिनों पहले तक चंद्रशेखर की आजाद समाज पार्टी में थे। मायावती 14 अप्रैल को देवबंद क्षेत्र में उनके चुनाव प्रचार में आई थीं लेकिन मुस्लिमों की उपस्थिति बहुत कम होने से मायावती बसपाईयों पर कुपित हुई थी। मुस्लिमों की सोच के जानकार और विद्वान मौलाना अब्दुल्ला जावेद कहते हैं कि इस चुनाव में मुस्लिमों की पहली पसंद कांग्रेस है और उसके बाद मुसलमान समाजवादी के साथ है। यूपी में सपा-कांग्रेस गठबंधन होने से मुस्लिमों का रूझान उसी ओर रहेगा। मुस्लिमों में इमरान मसूद बसपा पर भारी पड़ सकते हैं। बसपा के कद्दावर नेता और मायावती की सीट से तीन बार विधायक रहे दलित नेता जगपाल सिंह भाजपा में हैं। उन्होंने पिछला चुनाव सहारनपुर देहात सीट से भाजपा के टिकट पर लड़ा था। भाजपा को हिंदू गूर्जरों में अच्छा समर्थन मिल रहा है। गुर्जर बिरादरी के मुकेश चौधरी और कीरतपाल सिंह भाजपा से विधायक हैं।

हालांकि दोनों की विधानसभा सीटें कैराना लोकसभा क्षेत्र में पड़ती हैं। जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष चौधरी राजपाल सिंह गुर्जर कहते हैं कि उनकी बिरादरी का बड़ा समर्थन भाजपा के साथ है। जिले में राजपूतों की नाराजगी धीरे-धीरे कम हो रही है। राजपूत बिरादरी के दो पूर्व विधायकों वीरेंद्र ठाकुर और शशिबाला पुंडीर कहते हैं कि राजपूतों में दो-तीन कारणों से भाजपा को लेकर नाराजगी हैं। पहली यह कि अबकी राजपूतों को कम टिकट मिले हैं और जनरल वीके सिंह का टिकट भी काट दिया गया है। दूसरी यह कि राजपूतों को लगता है कि चुनावों के बाद भाजपा आलाकमान योगी आदित्यनाथ को मुख्यमंत्री के पद से हटा देगा। राजपूतों के इतने विरोध के बावजूद हाईकमान ने योगी आदित्यनाथ के पक्ष में कोई मजबूत बयान नहीं दिया हैं। यह अलग बात है कि पार्टी योगी आदित्यनाथ को बार-बार सहारनपुर भेज रही है। तीन बार वे पहले आ चुके हैं और 16 अप्रैल को योगी जी सहारनपुर नगर में रोड़ शो में शामिल होंगे। इन हालात में सहारनपुर सीट पर उलझन की स्थिति बनी हुई है। देखने में मुकाबला त्रिकोणीय यानि भाजपा-कांग्रेस और बसपा में दिखता है। लेकिन अंत में भाजपा और कांग्रेस गठबंधन के बीच मतदाताओं का ध्रुर्वीकरण होने और सीधा मुकाबला होने की संभावनाओं से इनकार नहीं किया जा सकता है।

दमोह के कुंडलपुर में हुआ अचार्य पद पदारोहण महामहोत्सव

निर्यापक श्रमण श्री वीरसागर जी महाराजः महान कौन गुरु या गुरुवाणी किससे पूछूं?

धीरज कुमार अहीरवाल। सिटी चीफ दमोह, सुप्रसिद्ध जैन तीर्थ सिद्धक्षेत्र कुंडलपुर में अचार्य पद पदारोहण महामहोत्सव के अवसर पर परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि श्री वीरसागर जी महाराज ने मंगल प्रवचन देते हुए कहा कुंडलपुर का यह परिसर आज से 2 वर्ष पूर्व जब यहां महोत्सव हुआ था बड़े बाबा भी वही थे ,मंदिर जिनालय भी वही, जनता भी वही ,लेकिन कुछ ऐसा है जो नहीं है उस समय का दृश्य और आज का दृश्य दोनों के दृश्य में जमीन आसमान का अंतर है। उस समय हम सब के साथ हमारे पुज्यवर गुरुदेव विराजमान थे। गुरुदेव की चरण सन्निधि में हम सब उस महोत्सव को मनाने की तैयारी कर रहे थे आज हम सभी यहां विराजमान हैं आने वाले 2 दिन एक महोत्सव की तैयारी हो रही है ।महोत्सव वह भी था महोत्सव यह भी है ।लेकिन दो वर्ष पूर्व सबकी आंखों में उस समय आंसू थे पर हर्ष के आंसू थे और आज भी दो प्रकार के आंसू हैं ।आचार्य भगवान का एक हाईकू याद आ रहा है ।महान कौन गुरु या गुरु वाणी किससे पूछूं ।जब हम गुरु को देखते हैं तो गुरु का शरीर नजर आता है पर्याय नजर आती है जो पर्याय होती है शरीर होता है वह क्षणभंगुर होते हैं ।वह छूटने वाला होता है ।लेकिन जब हम गुणों की ओर दृष्टि डालते हैं गुण हमें सशास्वत रखते ।आचार्य भगवन ने जब यह हाईकू लिखा हम सब संघ में थे ।उस समय गुरु के मुख से हाईकू को सुना ।कौन महान है हम आपसे यह प्रश्न कर लें आचार्य भगवन महान है कि आचार्य भगवन की वाणी महान है बताइए कौन महान है ।किसे बोलते गुरु आचार्य भगवन ने प्रश्न चिन्ह छोड़ा है ।आचार्य भगवान की ही कृति है आचार्य भगवान की ही रचना है जब इसे सुनते चिंतन लाते हैं तो तरह-तरह के विचार आ जाते हैं ।गुरु वाणी गुरु से ही उत्पन्न होती है ।उस दृष्टि से देखा जाए तो गुरु भी महान होते हैं गुरु हमेशा से नहीं रहते देखा जाए तो गुरु वाणी महान है ।गुरु के जाने के बाद भी गुरु वाणी रहती है ।हमने आदिनाथ भगवान को कुंडलपुर के बड़े बाबा को नहीं देखा लेकिन वह आदि प्रभु आज भी जीवन्त है ।अपनी जिनवाणी के माध्यम से महावीर प्रभु आज भी जीवन्त है।अपनी ध्वनि के माध्यम से वे अचार्य भगवन्त आज भी जीवित हैं। अपनी वाणी के माध्यम से कुछ लोग ऐसे महान होते हैं इस युग में उनकी महानता उनके साथ नहीं जाती है बल्कि और भी बढ़ती जाती है

।उनकी प्रतिष्ठा और बढ़ती चली जाती ।एक प्रश्न आ रहा कुंडलपुर के बड़े बाबा कब से विराजमान है जानते हो कब से विराजमान है1500 वर्ष से ऊपर हो गए ।कुंडलपुर के बड़े बाबा को पहचान किसने दिलाई हम आपसे पूछना चाहते हैं बड़े बाबा वही है आदिनाथ प्रभु वही हैं लेकिन आदिनाथ भगवान की प्रतिष्ठा इस दुनिया में किसने कराई ।कुंडलपुर की पहचान किसने कराई है। कुंडलपुर आने वाले श्रावकों की लाइन लगी रहती है वह किसने दिलाई है। आचार्य भगवान ने छोटे बाबा ने। तो भगवान को भी पहचान दिलाने वाले हो जाते हैं कुछ ऐसे महापुरुष हो जाते हैं जो अपनी साधना के बल पर प्रभु को भी ऊंचा स्थान दिला देते हैं ।लोगों के हृदय में अपनी जगह बनवा देते हैं। अपने लिए तो हर कोई जीवन जी लेता है इसमें कोई बड़ी बात नहीं ।हर एक इंसान जीता है लेकिन महत्व तब है जब हम जीते जी कुछ ऐसा कार्य कर जाएं कि हमारे द्वारा बड़ों को प्रतिष्ठा मिल जाए ।प्रभु बहुत बड़े होते हैं भगवान से बड़े कोई नहीं होते। लेकिन एक छोटा व्यक्ति अपनी तपस्या के बल पर अपनी बलिदान साधना के बल पर अपने त्याग के बल पर अपनी श्रद्धा और सर्मपण के बल पर उन बड़ों की भी बहुत बड़ा बना देते हैं । इसी कारण ये बड़े बाबा कहलाए। जब आचार्य भगवान 1976 में प्रथम बार आए उस समय बड़े बाबा की क्या स्थिति थी बड़े बाबा तो महान है जो भगवान हमारे लिए मिले उनकी क्या स्थिति थी। आप सभी लोगों ने देखा होगा उसे दृश्य को ।जब हम आज इस जिनालय के दर्शन करने जाते हैं तो मन भाव विभोर हो जाता है। इस दृश्य को देखकर मन गदगद हो जाता है ।बड़े बाबा के दर्शन बाद में होते हैं छोटे बाबा के दर्शन पहले होते हैं ।कि यह कृति जिसने निर्माण किया है जिसकी परिकल्पना है जिसकी सोच है आचार्य भगवन की दूर दृष्टि है। आचार्य भगवन का प्रयास अपने आप में अद्भुत विजन है ।हमने कुंदकुंद भगवान को नहीं देखा आचार्य समंतभद्र को नहीं देखा आचार्य नेमीचंद अमृतचंद आदि किसी को भी नहीं देखा ।दुनिया में कुछ लोग ऐसे होते हैं जो की जाने के पश्चात भी अपनी ख्याति बढ़ाते चले जाते हैं। वैसे तो मरण शरीर का होता है लेकिन शास्त्रों में आता है व्यक्ति कुछ ऐसे कार्य कर जाता है उस कार्य के बल पर हमेशा के लिए अमर हो जाता है। और उन्ही के किए हुए कार्य हैं जो आज हम सबको मिले हैं ।अब हमारा क्या कर्तव्य है गुरुवर ने हम सबके लिए आप सबके लिए क्या-क्या नहीं किया ।क्या हम सब ने लेना सीखा है अपने गुरुओं से ,पूज्य पुरुषों से क्या सिर्फ लेना सीखा है तो हमसे बड़ा कृतघ्नी कोई नहीं हमसे बड़ा स्वार्थी कोई नहीं है ।लेकिन जो उपकार हमारे ऊपर किया है अपनी सामर्थ के अनुसार अपनी शक्ति के अनुसार हम क्या दे पाए वैसे अपनी क्षमता नहीं है हम कुछ दे पाए ।जो हमेशा महान होते हैं बड़े होते हैं जिनके हाथ हमेशा ऊपर को होता है वह ही दुनिया को कुछ देते हैं अपन तो लेने वाले हैं हमेशा हाथ अपना नीचे ही रहा ।जन्म जिन्होंने दिया है शरीर की कीमत नहीं होती शरीर के जन्म की कोई कीमत नहीं होती। शरीर का जन्म तो अनंत बार हुआ है। सबका हुआ है उस जन्म की कीमत होती जब भीतर से कुछ फूटता है ,जब अंडा बाहर के दबाब से फूटता है तो एक जीवन अंत हो जाता है ।वही अंडा भीतर के दबाब से फूटता है एक जीवन की शुरुआत हो जाती है। जीवन की शुरुआत होती है यदि जन्म सही से होता है वह तभी होता है जब वह भीतर से कुछ फूटे और भीतर से कुछ उत्पन्न हो जब कोई व्यक्ति हमारे जीवन में आता है हमारी दृष्टि खुलती है हमारे देखने का नजरिया खुलता है हम अपने आप को समझ पाते । प्रस्तुति-- जयकुमार जैन जलज मीडिया प्रभारी

उप्र, सहारनपुर के बालपुर में एक मकान पर मारा छापा भ्रूण लिंग की जांच करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

गौरव सिंघल। सिटी चीफ
सहारनपुर, सहारनपुर जनपद की देहात कोतवाली पुलिस ने गांव बालपुर में स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ एक मकान पर छापा मारकर भ्रूण लिंग की जांच करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। स्वास्थ्य विभाग ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। इनके पास से पांच फोन, स्कैनर, एक डिब्बी अल्ट्रासाउंड में इस्तेमाल होने वाली जैल की डिब्बी, एक कार और 78 हजार रुपये बरामद हुए है। एसपी सिटी अभिमन्यु मांगलिक ने बताया कि देहात कोतवाली पुलिस को सूचना मिली कि एक मकान में गर्भवती महिलाओं के गर्भ में भ्रूण लिंग जांच की जा रही है। पुलिस ने स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ मौके पर छापा मारकर चार आरोपियों को पकड़ा है। स्वास्थ्य विभाग से टीम में डिप्टी सीएमओ कुनाल जैन शामिल रहे। टीमों ने मनोज पुत्र रतन सिंह निवासी हल्लू माजरा थाना

भगवानपुर जिला हरिद्वार उत्तराखंड, रवि सैनी पुत्र भरत सैनी निवासी वजीरपुर कोतवाली गंगोह, जगन्नाथ पुत्र कमल सिंह निवासी खेरसाल कोतवाली गंगोह, अनंगपाल निवासी ततारपुर कलां को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह काफी समय से अवैध रूप से अल्ट्रासाउंड के जरिए जांच कर रहे थे। पुलिस ने भ्रूण लिंग की जांच करने वाले चार आरोपियों को सुनियोजित तरीके से पकड़ा है। पुलिस ने एक महिला को जांच कराने के लिए भेजा था। इसके तुरंत बाद पुलिस ने छापा मार दिया। बताया जा रहा है कि आरोपी हरियाणा, सहारनपुर, उतराखंड की गर्भवती महिलाओं की भ्रूण लिंग की जांच करते थे। इसके लिए आरोपियों ने एजेंट भी छोड़ रखे थे।

महाविद्यालय की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया

जिला प्रशासन (स्वीप) द्वारा कौन बनेगा वोटर नंबर -1 क्विज का आयोजन किया गया

भोपाल, सोमवार को जिला प्रशासन भोपाल (स्वीप) द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान के तहत सरोजनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय शिवाजी नगर भोपाल में कौन बनेगा वोटर नंबर -1 क्विज का आयोजन किया गया जिसमें महाविद्यालय की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में संस्था की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मंजुला विश्वास एवं डॉ. मीना सक्सेना उपस्थित रही। विभिन्न चरणों में खेले गए क्विज में टॉप 10 विजेता विद्यार्थियों (युवा वोटर्स) का चयन मेगा क्विज हेतु किया गया। टॉप टेन विजेताओं दिव्यांशी लिटोरिया, दिव्या

प्रजापति, अमान्या सिंह, भूमिका, प्रिया यादव, संजना लोधी, अंजुम रहबर, सबीना अंसारी, शीतल मेवाड़ा एवं निशा जाटव, इसके अलावा दर्शकों से भी प्रश्न पूछे गए सही जवाब देने वालों के नाम लकी ड्रा के लिए भेजे जाएंगे,जो अनन्या तिवारी, रितिका कोसरिया, चंचल मोहता, सुरुचि गौर, आकांक्षा डबराल हैं। सभागार में उपस्थित छात्राओं को मतदान करने के लिए शपथ दिलाई गई एवं मतदान करने की अपील की। क्विज का संचालन श्री रविकांत ठाकुर द्वारा किया गया, जिसमें नीलेश आर्य एवं मोहन मालवीय स्वीप टीम द्वारा सहयोग प्रदान किया।

सहारनपुर जिलाधिकारी ने गर्मी व लू के प्रकोप से बचने के लिए जारी की एडवाइजरी

भीषण गर्मी में कुछ सावधानियां अपनाकर स्वयं एवं अपने परिवार को गर्मी व लू के प्रकोप से रखें सुरक्षित - डीएम डा.दिनेश चंद्र

सहारनपुर, जिला निर्वाचन अधिकारी व जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र ने गर्मी के मौसम में लू के प्रकोप से जनसामान्य को बचाने के लिए एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी में लोग कुछ सावधानियां अपनाकर स्वयं को और अपने परिवार को गर्मी व लू के प्रकोप से सुरक्षित रख सकते हैं। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में चाहे इंसान हो या पशु या फिर कोई पालतू जानवर सभी को विशेष देखभाल की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि बच्चों व बुजुर्गो का विशेष तौर पर ध्यान रखा जाए। उन्होंने बताया कि मौसम विभाग की ओर से जारी की गयी एडवाइजरी के अनुसार आगामी दिनों में दैनिक तापमान में तेजी से वृद्धि होने का पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है। हीट वेव (लू) असामान्य रूप से उच्चतम तापमान की अवधि है जब तापमान सामान्य तापमान से अधिक दर्ज किया जाता है। वर्तमान समय में जनपद में परिस्थितिया हीट वेव (लू) के अनुकूल बनी हुई है। उच्च आद्रता तथा वायुमंडलीय परिस्थितियों के कारण उच्च तापमान लोगों को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करता है, जिसके कारण शरीर में पानी की कमी (डिहाईड्रेशन) और ऐंठन की शिकायत होने लगती है। जिसके

कारण लोगों को किसी गंभीर समस्या होने की संभावना बढ़ जाती हैं। हीट वेव (लू) से वृद्ध, बच्चे, गर्भवती महिलायें, बीमार मजदूर झोपड पट्टी में रहने वाले गरीब, दुर्बल एवं निराश्रित लोग अधिक प्रभावित होते है। इसके अतिरिक्त हीट वेव (लू) ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों, जंगलों, जल संसाधनों, कृषि एवं पशुपालन, स्वास्थ्य तथा विद्युत आपूर्ति आदि को भी प्रभावित करता है। लू के प्रकोप से बचाव हेतु क्या करें -कड़ी धूप में विशेष रूप से दोपहर 12 बजे से 03 बजे के बीच बाहर जाने से बचें, हल्के रंग के ढीले-ढाले और सूती कपडे पहनें, धूप में निकलते समय अपना सिर ढक कर रखें, कपडे, टोपी या छाता का उपयोग करें, पर्याप्त और नियमित अन्तराल पर पानी पीतें रहें। सफर में पीने का पानी हमेशा साथ में रखें, खुद को हाइड्रेट रखने के लिए ओ.आर.एस. घोल, नाारियल का पानी, लस्सी, चावल का पानी, नीबू का पानी, छांछ, आम का पना इत्यादि घरेलू पेय पदार्थों को इस्तेमाल करें, रेडियो, टीवी और समाचार पत्रो के माध्यम से स्थानीय मौसम एवं तापमान की जानकारी रखें, कमजोरी, चक्कर आने या बीमार महसूस होने पर तुरन्त डॉक्टर से सम्पर्क करें, अपने घर को ठंडा रखे, और पर्दे, शटर आदि का इस्तेमाल करे, रात में खिडकियां अवश्य खुली रखे, घर की निचली मंजिल पर रहने का प्रयास करें।

लू के प्रकोप से बचाव हेतु %क्या न करें -बच्चों एवं पालतू जानवरों को खडी कार में अकेला न छोडें, वाहन जल्दी गर्म होकर खतरनाक तापमान पैदा कर सकते है जो बच्चों के लिये घातक हो सकती है, भीषण गर्मी में दोपहर के समय अधिक श्रम वाली गतिविधियों को न करें, उच्च प्रोटीन वाले भोजन से बचें और बासी भोजन न करें, शराब, चाय, कॉफी और कार्बोनेटेड शीतल पेय पदार्थों का सेवन करने से बचें क्यो कि ये शरीर को निर्जलित करतें हैं, दोपहर में जब दिन का तापमान अधिक हो उस दौरान खाना पकाने से बचें। रसोई घर को हवादार बनाये रखने के लिये खिडकी व दरवाजे खुले रखें।

लेनदेन के विवाद में युवक ने किया हवाई फायर

गोली चलाने वाले की तलाश में लगी पुलिस

उज्जैन । लेनदेन के विवाद में सोमवार दोपहर एक बदमाश ने हवाई फायर कर दिया। गैरेज संचालक की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर तलाश शुरू की है। गोली चलाने वाले के घर दबिश भी दी गई है। परिजनों से पूछताछ कर सुराग तलाशा जा रह है। नानाखेड़ा थाना क्षेत्र के जवाहरनगर में नासिर पिता मकबूल खां निवासी नागझिरी गैरेज संचालित करता है। उसके भाई को आनंदनगर में रहने वाले विशाल उर्फ सोनू से पुराना लेनदेन और विवाद चला रहा था। दोपहर में विशाल नासिर के गैरेज पहुंचा और रूपयों को लेकर विवाद करने लगा। वह नशे के हालत में था। नासिर ने लेनदेन उसका नहीं होने की बात कहीं तो विशाल दुकान बंद करने का दबाव बनाने लगा। जिसके चलते दोनों के बीच हाथपाई की नौबत आ गई। उसी दौरान विशाल ने देशी कट्टा निकाला और फायर कर दिया। गोली चलने से आसपास के लोग दहशत में आ गये। विशाल बाईक लेकर भाग निकला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। मामले में नासिर की शिकायत पर प्रकरण दर्ज किया गया है। विशाल की तलाश में आनंदनगर पहुंचकर दबिश दी गई। परिजनों को पूछताछ के लिये थाने बुलाया गया है। टीआई नरेन्द्र कुमार यादव ने एक टीम गठित की है, जिसे विशाल के ठिकानों पर रवाना किया है। जल्द ही आरोपी को गिर तार कर लिया जाएगा।

विवाद होने पर दंपति ने खाया जहर, पति की मौत

उज्जैन । बीती शाम पति-पत्नी में विवाद हो गया। पति ने जहर खा लिया। यह देख पत्नी ने भी उसके हाथ से जहर की पुड़िया छीनी और गटक ली। हालत बिगड़ने पर परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां पति की कुछ देर बाद मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया है।

मक्सी रोड पंवासा में रहने वाला दीपक पिता ओंकारलाल ×0 वर्ष मजदूरी करता था। शाम को वह घर लौटा जिसके बाद पत्नी पूजा 25 वर्ष से उसका पारिवारिक मामले को लेकर विवाद हो गया।

कहासुनी बढ़ने पर पति ने जहर खा लिया। यह देख पत्नी ने उससे जहर की पुड़िया छीनी और खुद भी गटक ली। आसपास के लोगों ने दोनों के बीच विवाद की सूचना परिजनों को दी। घर पहुंचने पर परिजनों ने दोनों को बेसुध हालत में पाया। दोनों को जिला अस्पताल लाया गया। जहां पत्नी की हालत में सुधार आ गया। पति की हालत गंभीर बनी हुई थी। कुछ घंटे बाद उसकी मौत हो गई। पंवासा पुलिस ने सूचना मिलने पर अस्पताल पहुंचकर पत्नी पूजा के बयान दर्ज किये। उसका कहना था कि घरेलू काम को लेकर विवाद हुआ था। दीपक जहर साथ लेकर आया था। दीपक ने खाया तो मैने भी खा लिया था। मृतक दीपक के भाई मनोज ने बताया कि दोनों का विवाह 8 साल पूर्व हुआ था। शादी के कुछ साल बाद दोनों में झगड़ा होने लगा। दोनों की कोई संतान नहीं है।

लोकसभा निर्वाचन 2024 : 18 अप्रैल को जारी होगी उज्जैन आलोट संसदीय क्षेत्र के निर्वाचन की अधिसूचना

अभ्यर्थी 18 अप्रैल से 25 अप्रैल तक नामांकन दाखिल कर सकेंगे

उज्जैन। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा निर्वाचन के लिए निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार चौथे चरण में उज्जैन आलोट संसदीय क्षेत्र के निर्वाचन की अधिसूचना 18 अप्रैल को जारी की जाएगी। इसी के साथ अभ्यर्थी 18 अप्रैल से 25 अप्रैल तक प्रात: 11 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय उज्जैन में अपना नामांकन दाखिल कर सकेंगे। किसी एक निर्वाचन क्षेत्र के लिए कोई अभ्यर्थी अधिकतम चार नामनिर्देशन पत्र प्रस्तुत कर सकता है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी उज्जैन श्री नीरज कुमार सिंह के निर्देशन में नाम निर्देशन की सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित की गई हैं। मास्टर ट्रेनर श्री विजय सुखवानी ने बताया कि अभ्यार्थी 18 अप्रैल से 25 अप्रैल तक (अवकाश दिवस को छोड़कर) किसी भी दिन 11 बजे सेअपरान्ह 3 बजे तक नामांकन दाखिल कर सकेंगे। नामनिर्देशन पत्र प्राप्ति की सम्पूर्ण प्रक्रिया की टाइम स्टेम्पिंग के साथ वीडियोग्राफी करवाई जाए। अभ्यर्थी अथवा कोई भी प्रस्तावक के अतिरिक्त अन्य कोई भी नामांकन दाखिल करने के लिए पात्र नहीं माना जायेगा। आरओ कार्यालय से 100 मीटर क्षेत्र में केवल 3 वाहनों के प्रवेश की अनुमति रहेगी। आरओ कक्ष मे अभ्यर्थी सहित अधिकतम 5 व्यक्ति ही प्रवेश कर सकेंगे। प्रस्तावको की संख्या नाम निर्देशन में मान्यता प्राप्त दल के अभ्यर्थियों के लिए एक प्रस्तावक तथा अन्य राज्यों के मान्यता प्राप्त पंजीकृत दलों के अभ्यर्थी, गैरमान्यता प्राप्त दलों के अभ्यर्थी एवं निर्दलीय अभ्यर्थियों के लिए 10 प्रस्तावक होना अनिवार्य है। कोई भी निर्वाचक दो अभ्यर्थियों का प्रस्तावक हो सकता है। नामांकन फार्म के साथ प्रस्तुत किए जाने वाले आवश्यक दस्तावेज नामांकन फार्म के साथ अभ्यर्थी को फार्म-2 नामांकन फार्म , फार्म 26 शपथ पत्र,शपथ / प्रतिज्ञान (अनुच्छेद 84) का प्ररूप (हिन्दी एवं अंग्रेजी),बैंक खाते की जानकारी संबंधी दस्तावेज जमा कराने होंगे। उम्मीदवारों को शपथ-पत्र के सभी कालम भरना होगा लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार को प्रारूप 26 में शपथ-पत्र प्रस्तुत करना होगा। चुनाव आयोग के निर्देशानुसार शपथ-पत्र में उम्मीदवार के नाम पर विदेश में कोई संपत्ति है तो विदेश में जमा राशि, अपनी चल अचल-संपत्ति का ब्यौरा भी देना अनिवार्य है। शपथ-पत्र में उसे अपना पेन नम्बर भी देना होगा। यह शपथ उसे पब्लिक नोटरी या ओथ कमिश्नर अथवा प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट के समक्ष लेनी है। शपथ-पत्र का कोई कालम भी खाली नहीं छोड़ना है। शपथ-पत्र नामांकन की अंतिम तिथि के दिन तीन बजे तक जमा किया जा सकता है। उच्चतम न्यायालय के निर्णय अनुसार यदि कोई अभ्यर्थी शपथ-पत्र में कोई भी कालम खाली छोड़ता है एवं इस आशय की जानकारी यदि रिटर्निंग अधिकारी ने सूचना द्वारा अभ्यर्थी को दे दी है एवं इस सूचना उपरांत भी अभ्यर्थी अपने शपथ-पत्र में कालम पूर्ण नहीं भरता या निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदत्त चैक लिस्ट अनुसार नया शपथ-पत्र निर्धारित समयावधि में प्रस्तुत नहीं करता तो ऐसी स्थिति में उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार अभ्यर्थी का नाम-निर्देशन पत्र निरस्त कर दिया जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजनैतिक दलों को अवगत कराया है कि अभ्यर्थी नामांकन प्रस्तुत करते समय अपने शपथ-पत्र में कोई भी कालम रिक्त न छोड़े। यदि किसी कालम में कोई जानकारी निरंक है तब वहां शून्य या लागू नहीं होता लिखा जाना चाहिए। निर्वाचन आयोग द्वारा जमानत राशि निर्धारित लोकसभा-2024 का चुनाव लड़ने के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निक्षेप राशि (जमानत राशि) निर्धारित की गई है। अनारक्षित वर्ग के अभ्यर्थी को 25 हजार रूपये और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थी को 12 हजार 500 रुपये की निक्षेप राशि जमा करानी होगी। नामांकन उपरान्त अभ्यर्थी को दिए जायेंगे ये दस्तावेज नामांकन उपरान्त अभ्यर्थी को मतपत्र में मुद्रित किए जाने वाले नाम की हिन्दी एवं अंग्रेजी में सुवाच्य स्पेलिंग का पत्र,रैली, सभा, जुलूस आयोजन हेतु व्यय योजना प्ररूप,बैनर पोस्टर आदि मुद्रण संबंधी प्ररूप ,मीडिया में विज्ञापन प्रमाणन के लिएआवेदन अनुलग्नक , एवं क्र आपराधिक पूर्ववृत प्रकाशन हेतु प्ररूप ष्ट-1, एवं ष्ट-4,निर्वाचन अभिकर्ता का नियुक्ति प्ररूप -8, व्यय लेखा रजिस्टर पृष्ठांकित एवं सत्यापित एवं निर्देशन अनुलग्नक 49 आदि दस्तावेज आरओ कार्यालय से दिए जायेंगे।

श्रृद्धालुओं को आवागमन में सुगमता रहे इस हेतु निरंतर जारी रहेगी अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही - आयुक्त श्री आशीष पाठक

महाकाल मंदिर के सामने, फ्रीगंज एवं सीविल हॉस्पिटल के पीछे से हटाया अतिक्रमण

उज्जैन । उज्जैन शहर भगवान श्री महाकालेश्वर की नगरी होने से यहां बाहर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन हेतु शहर में पधारते है। शहर में आने वाले श्रद्धालुओं को कही भी कोई असुविधा ना हो यह सुनिश्चित किया जाना हमारा प्रमुख दायित्व है।यह बात आयुक्त श्री आशीष पाठक द्वारा उपायुक्त एवं सहायक आयुक्त अन्यकर तथा नगर निगम रूमुवल गैंग प्रभारियों से कही गई। आपने कहा कि उज्जैन आने वाले श्रृद्धालु केवल श्री महाकालेश्वर दर्शन दर्शन ही नहीं करते अपितु अन्य प्रमुख मंदिर कालभेरव, मंगलनाथ, संदीपनी, रामघाट, सिद्धनाथ मंदिर आदि मंदिरो के भी दर्शन करते है। इस लिए महाकाल मंदिर से लेकर समस्त मंदिरों के पहुंच मार्गो पर किसी भी प्रकार अतिक्रमण ना हो यह सुनिश्चित किया जाना अत्यंत आवश्यक है। उक्त सभी मंदिरों के पहुंच मार्गो के साथ ही समस्त प्रमुख चौराहों पर भी किसी भी प्रकार का कोई अतिक्रमण न हो तथा चौराहे पूर्णत: साफ स्वच्छ एवम् सुंदर दिखे और श्रद्धालुओं को कभी भी कोई असुविधा न हो यह सुनिश्चित किए जाने का दायित्व हमारा है। आपने निर्देशित किया कि शहर में प्रमुख मार्गो, चौराहों, धार्मिक स्थल इत्यादि के आस पास किसी भी प्रकार का अतिक्रमण ना होने दिया जाए, जिन भी स्थलों पर अतिक्रमण किया हुआ है वहां से तत्काल अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही सख्ती के साथ करें। आयुक्त श्री आशीष पाठक द्वारा दिए निर्देश के क्रम में नगर निगम रिमूवल गैग द्वारा यातायात पुलिस के सहयोग से महाकाल मंदिर पहुंच मार्गों तथा सिविल हॉस्पिटल के पीछे से अतिक्रमण हटाएं जाने की कार्यवाही की गई। निगम अमले द्वारा कोट मोहल्ला चौराहे से महाकाल मंदिर शिखिर दर्शन स्थल तक किये गए अतिक्रमण को हटाते हुए सम्पूर्ण मार्ग को अतिक्रमण मुक्त किया गया। उक्त सम्पूर्ण मार्ग पर व्यापारियों द्वारा गुमटी, टेबल, सामग्री इत्यादि रख कर अतिक्रमण किया हुआ था जिससे सड़क अत्यंत ही छोटी एवं सकरी हो गई जिसके कारण श्रृद्धालुओं को आवागत में कठिनाई होती है। अतिक्रमण हटने के बाद कोट मोहल्ला चौराहे से ही महाकाल मंदिर के शिखर दर्शन आसानी से किया जा सकता है। निगम अमले द्वारा पुलिस प्रशासन के सहयोग से फ्रीगंज क्षैत्र अम्बेडकर प्रतिमा के पास पास, शिव मंदिर क्षैत्र, शहिद पार्क इत्यादि क्षैत्र में दुकानों के बाहर रखे सामनों को हटाने, ठेले एवं गुमटियों को हटाने की मुनादि की गई। मुनादि उपरांत भी सामग्री, ठेले एवं गुमटिया नहीं हटाए जाने पर जप्त किये जाने की कार्यवाही की गई। सिविल हॉस्पिटल के पीछे रखी ठेले एवं गुमटियों को भी जप्त किये जाने की कार्यवाही की गई इसके साथ ही देवास गेट, तोपखाना इत्यादि क्षैत्रों से भी अतिक्रमण हटाया गया।

अमरनाथ यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन शुरु

फिटनेस प्रमाण पत्र के लिए जिला अस्पताल पहुंचने लगे श्रद्धालु-29 जून से शुरु होगी यात्रा

उज्जैन । अमरनाथ की वार्षिक तीर्थ यात्रा 29 जून से आरंभ होगी और यह 19 अगस्त को समाप्त होगी। इस साल अमरनाथ यात्रा 52 दिन चलेगी। इस यात्रा में शहर से कई लोग दर्शन के लिए जाएंगे। सोमवार से इस यात्रा के लिए अग्रिम रजिस्ट्रेशन शुरु हो गया और फिटनेस प्रमाण पत्र के लिए लोग जिला अस्पताल पहुंचने लगे हैं। बाबा बर्फानी यानी अमरनाथ गुफा में मौजूद बर्फ के शिवलिंग के दर्शन इस बार 29 जून से आरंभ होंगे। इसके लिए मंदिर श्राइन बोर्ड ने घोषणा की कि सोमवार,15 अप्रैल से भक्तों के लिए एडवांस रजिस्ट्रेशन शुरू हो गए है। अमरनाथ यात्रा 29 जून से आरंभ होगी और 19 अगस्त को समाप्त होगी। यात्रा करीबन 2 महीने तक चलेगी। बाबा अमरनाथ की गुफा जम्मू कश्मीर के श्रीनगर से 141 किमी दूर समुद्र तल से 12,756 फीट की ऊंचाई पर स्थित हैं। यहां हर साल देश भर से लाखों भक्त दर्शन करने आते हैं। भक्त जुलाई-अगस्त (हिंदू कैलेंडर में श्रावण माह) में श्रावणी मेले के दौरान बाबा बर्फानी की पूजा करने के लिए मंदिर में जाते हैं, जो पूरे साल में एकमात्र समय होता है। उज्जैन से हर साल यह यात्रा करने के लिए सैकड़ों लोग जाते हैं। यात्रा का अग्रिम ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन अमरनाथ श्राइन बोर्ड की वेबसाइड पर जारी आवेदन पत्र के अनुसार किया जाएगा। आवेदन के साथ यात्री का फिटनेस प्रमाण पत्र भी अनिवार्य किया गया है। जिला अस्पताल के चिकित्सक डॉ. जितेन्द्र शर्मा ने बतया कि अमरनाथ जाने के इच्छुक लोग प्रमाण पत्र के लिए जिला अस्पताल पहुंचने लगे हैं।

वार्डों में काम नहीं होने से भाजपा पार्षदों ने बनाई चुनाव प्रचार से दूरी

नाराजगी दूर करने के लिए महापौर बंगले पर बुलाई पार्षदों की आपात बैठक

उज्जैन । उज्जैन लोकसभा चुनाव प्रचार के दौर के बीच चुनावी रैली और प्रचार से भाजपा पार्षदों की दूरी ने संगठन की नींद उड़ा दी है। सोमवार सुबह महापौर बंगले पर विधायक और निगम अध्यक्ष की उपस्थिति में पार्षद दल की आपात बैठक बुलाई गई, जिसमें कई पार्षदों का आक्रोश फूट पड़ा। अधिकतर का कहना था, वार्ड में जरूरी काम ही नहीं हो रहे तो लोगों को मुंह कैसे दिखाएं।

लोकसभा चुनाव के लिए उज्जैन संसदीय सीट के लिए वोटिंग 13 मई को होना है और प्रचार खत्म होने में मुश्किल से एक माह का समय बचा है। सूत्रों के अनुसार भाजपा की चुनावी रैलियों से पार्टी के पार्षदों ने दूरी बना ली है। वे अपने क्षेत्र में लोगों के पास पार्टी के पक्ष में मतदान के लिए प्रेरित करने भी नहीं जा पा रहे। यह बात संगठन में स्थानीय स्तर से ऊपर तक पहुंची है। इस पर केंद्रीय और प्रदेश संगठन स्तर तक हलचल मची है।

पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के निर्देश पर सोमवार सुबह महापौर मुकेश टटवाल के बंगले पर पार्षदों की आपात बैठक बुलाई गई, जिसमें विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, निगम अध्यक्ष कलावती यादव, नगर अध्यक्ष विवेक जोशी, एमआईसी सदस्य और पार्षद शामिल हुए। एमआईसी सदस्यों सहित पार्षदों ने कहा हमारे क्षेत्र में काम ही नहीं हो रहे तो लोगों के पास वोट देने के लिए किस मुंह से जाएं। हमारे ही वार्डों में कचरा गाडियां नहीं पहुंच रहीं, सड़कों की बंद लाइटें ठीक नहीं हो रहीं। इससे क्षेत्र के लोग आक्रोशित हैं। इस कारण चुनाव प्रचार की रैली में जाने से लोगों की शिकायतें ही सुनना पड़ेंगी। पार्टी में भी सभी को समस्या बता रहे, लेकिन कोई सुनने को ही तैयार नहीं। बैठक में एमआईसी सदस्य प्रकाश शर्मा, योगेश्वरी राठौर, शिवेंद्र तिवारी, सत्यनारायण चौहान, कैलाश प्रजापत, रजत मेहता, पार्षद गजेंद्र हिरवे, हेमंत गेहलोत, बबीता घनश्याम गौड़, आदि मौजूद थे।

निगमायुक्त से नाराज पार्षद, फोन नहीं उठाते महापौर बंगले पर हुई बैठक में अधिकतर पार्षदों ने कहा कचरा गाडियां जब नहीं आती तो निगमायुक्त को फोन करते हैं, लेकिन वे अक्सर फोन ही नहीं उठाते। बार बार मोबाइल करने पर मुश्किल से उठाते हैं। इससे हम समस्या को दूर करने की बात ही प्रशासन तक पहुंचा नहीं पाते। विधायक कालूहेडा ने कहा जल्द ही समस्याओं को लेकर अलग से भी बैठक रखेंगे।

जल कार्य समिति प्रभारी ने दिखाए वीडियो और फोटो...

बैठक में जल कार्य समिति प्रभारी प्रकाश शर्मा ने कहा कि कायथखेड़ी में कान्ह पर बने बैराज से गेट खुले हुए हैं। इस कारण काफी मात्रा में दूषित पानी शनि मंदिर, त्रिवेणी बैराज की तरफ आ रहा है। इससे पेयजल संकट की स्थिति भी बन रही। उन्होंने इसके फोटो और वीडियो भी बताए।

एक-दो दिन में शुरू होगा लाइट सुधार...बैठक में मौजूद निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव ने कहा आप लोगों ने अभी तक मुझे ये समस्याएं क्यों नहीं बताई। पार्षदों ने कहा महापौर, निगम आयुक्त और पार्टी स्तर पर ये बातें बता चुके हैं, लेकिन कोई हमारी बात ही नहीं सुनता। इस पर श्रीमती यादव ने कहा कि स्ट्रीट लाइट ठीक करने का काम एक दो दिन में शुरू हो जाएगा।

पार्टी की गतिविधियों को लेकर चर्चा...सोमवार सुबह कोई इस बैठक को लेकर महापौर मुकेश टटवाल का कहना था कि सभी पार्षदों को चाय नाश्ते पर बुलाया था। पार्टी की गतिविधियों और चुनाव तैयारियों को लेकर चर्चा की गई।

आज महाष्टमी पर 24 खंबा देवी को चढ़ेगी मदिरा की धार

निरंजन अखाड़े की ओर से सुबह 8:00 बजे देवी के पूजन अर्चन के बाद शुरू होगी नगर पूजा यात्रा

उज्जैन । चैत्र शुक्ल पक्ष की अष्टमी पर आज सुबह 24 खंबा स्थित माता महामाया और माता महालाया का पूजन अर्चन कर निरंजनी अखाड़े के संतों की ओर से देवी को मदिरा का भोग लगाया जाएगा। माता के पूजन अर्चन और महाआरती के पश्चात नगर पूजा की शुरूआत होगी। जिसके बाद शहर के अन्य 40 से अधिक मंदिरों में पूजा अर्चना के लिए साधु संतों के साथ भक्तों का यह काफिला आगे बढ़ेगा। इस दौरान 27 किलोमीटर लंबे नगर पूजा मार्ग पर सतत मदिरा के धार बहेगी। चैत्र शुक्ल पक्ष की अष्टमी पर धार्मिक नगरी उज्जैन में नगर पूजा का विधान है। चैत्र मास में इस नगर पूजा को निरंजनी अखाड़ा द्वारा किया जाता है। जबकि शारदीय नवरात्रि में कलेक्टर माता का पूजन अर्चन कर उन्हें मदिरा का भोग अर्पित करते हैं। आज सुबह अनादिकाल से चली आ रही इस परंपरा का निर्वहन आज फिर निरंजनी अखाड़े के साधु संतों द्वारा किया जाएगा। माता का पूजन-अर्चन कर उन्हें न सिर्फ मदिरा का भोग लगेगा बल्कि नगर की सुख समृद्धि के साथ ही पूरे देश प्रदेश को महामारी के प्रकोप से बचाए रखने की कामना भी की जाएगी। अखाड़ा परिषद के प्रवक्ता गोविंद सोलंकी ने बताया कि श्री पंचायती अखाड़ा निरंजनी द्वारा चैत्र नवरात्र में कई वर्षों से नगर पूजा का आयोजन किया जा रहा है।

मटकी से सतत बहेगी मदिरा की धार...

माता महामाया और माता महामाया को मदिरा का भोग लगाने के बाद निरंजनी अखाड़े के साधु संत मदिरा की मटकी लेकर इस यात्रा का नेतृत्व करेंगे। जिनके साथ महामंडलेश्वर मंदाकिनी जी व अन्य साधु संत बड़ी संख्या में मौजूद रहेंगे। नगर पूजा के दौरान बैंड बाजे, ढोल नगाड़ों के साथ ही तोपची इस यात्रा के आने की सूचना नगरवासियों तक पहुंचाएंगे। बताया जाता है कि नगर पूजा के दौरान शहर के 40 से अधिक देवी, देवताओं के मंदिर में पूजा-अर्चना की जाएगी और यहां सभी मंदिरों के ध्वज भी बदले जाएंगे। आज रात्रि 8 बजे तक यह पूजन अर्चन का दौर जारी रहेगा। यह नगर पूजा कुल 27 किलोमीटर की है, जिसमें पूजन के समाप्त होने तक मटकी से मदिरा की धार सतत जारी रहेगी।

हरसिद्धि मंदिर में दोपहर को होगी शासकीय पूजा....

देश के 52 शक्तिपीठों में से एक शक्तिपीठ हरसिद्धि मंदिर में चैत्र नवरात्र की महाअष्टमी पर आज दोपहर 12 बजे शासकीय पूजा होगी। कलेक्टर शक्तिपीठ की परंपरा अनुसार माता हरसिद्धि को सौभाग्य सामग्री अर्पित कर नगर की सुख समृद्धि के लिए पूजा अर्चना करेंगे। मंदिर प्रबंधन के अनुसार शक्तिपीठ हरसिद्धि में चैत्र व शारदीय नवरात्र की महाअष्टमी पर शासकीय पूजा की परंपरा है। दोपहर 12 बजे कलेक्टर द्वारा देश, प्रदेश व नगर की सुख समृद्धि के लिए पूजा अर्चना की जाती है। हरसिद्धि मंदिर में सात्विक पूजा होती है। यहां देवी को मदिरा आदि तामसी सामग्री अर्पित नहीं की जाती है। माता हरसिद्धि को सौभाग्य सामग्री व चुनरी विशेष रूप से अर्पित की जाती है। वहीं, शक्तिपीठ हरसिद्धि मंदिर में महाअष्टमी व नवमी के संधिकाल में हवन होता है। चैत्र व शारदीय नवरात्र की महाअष्टमी पर आज रात 10 बजे से हवन की शुरुआत होगी, मध्यरात्रि 12 बजे के बाद पूणार्हुति होगी। बाड़ी (ज्वारे) का विसर्जन महानवमी की रात 11:30 बजे के बाद किया जाएगा।

इसाकपुर में वेयरहाउस पर नकाबपोश बदमाशों का धावा

चौकीदार और साथी को बनाया बंधक, चुराकर भागे चावल की बोरियां

उज्जैन । वेयरहाउस पर रात के अंधेरे में नकाबपोश बदमाशों ने धावा बोला और चौकीदार के साथ उसके साथी को बंधक बनाकर चावल की बोरियां लूट कर ले गए। चौकीदार ने खुद को कमरे से आजाद कराया और मामले की सूचना पुलिस को दी। बदमाशों की तलाश में पुलिस की एक टीम लगी हुई है।

मामला घटिया थाना क्षेत्र के ग्राम इसाकपुर का होना सामने आया है। जहां श्री हरि वेयरहाउस बना हुआ है। रात के अंधेरे में चार नकाबपोश बदमाशों ने वेयरहाउस पर धावा बोला था। चौकीदार बद्रीलाल और उसके साथी सूरज ने बदमाशों को परिसर में देखकर आवाज लगाई तो बदमाशों ने उन पर हमला कर दिया दोनों के साथ मारपीट करने के बाद एक कमरे में बंद कर दिया गया और बदमाश वहां से आधा दर्जन करीब चावल से भरी 30 किलो की बोरियां कंधे पर रखकर परिसर से बाहर निकल गए। चौकीदार और उसके साथी ने खुद को कमरे से बमुश्किल आजाद कराया और मामले की सूचना पुलिस को दी। वारदात का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची थी लेकिन बदमाश भाग निकले थे। घटिया थाना पुलिस ने मामले में अज्ञात बदमाशों के खिलाफ लूट का प्रकरण दर्ज किया है। आशंका जताई जा रही थी बदमाश वाहनों पर सवार होकर आए थे वारदात से पहले उन्होंने अपने वाहनों को दूर खड़ा कर दिया होगा। वेयरहाउस में धावा बोलने से पहले बदमाशों ने वहां लगे सीसीटीवी कैमरे भी क्षतिग्रस्त करने का प्रयास किया था। पुलिस के अनुसार वेयरहाउस के कैमरो की रिकॉर्डिंग देखी जा रही है। वही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज भी देखें जा रहे हैं। बदमाश आसपास के होने की संभावना है।0

साइकिल सवार वृद्ध को अज्ञात वाहन ने कुचला, मौत

उज्जैन । शहर के मार्गों पर अज्ञात वाहन मौत बनकर दौड़ रहे हैं। एक बार फिर रविवार देर शाम अज्ञात वाहन ने साइकिल सवार वृद्ध को कुचल दिया। जिसकी अस्पताल पहुंचने से पहले मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मक्सी रोड मयूर नगर पंवासा थाना क्षेत्र में रहने वाला 57 वर्षीय छेदीलाल पिता महादेव कश्यप साइकिल पर सवार होकर देर शाम घर लौट रहा था। पंवासा में सुमित किराना स्टोर के सामने अज्ञात वाहन ने उसे कुचल दिया। गंभीर रूप से घायल छेदीलाल को लोगों की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया गया दुर्घटना की जानकारी लगते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी लोगों ने बताया कि ट्रक ने साइकिल सवार को टक्कर मारी है। पुलिस घायल के बयान दर्ज करने अस्पताल पहुंची। जहां सामने आया कि अस्पताल पहुंचने से पहले ही इसकी मौत हो गई थी शव को पोस्टमार्टम कक्ष में रखा गया है। पुलिस ने पहचान के प्रयास शुरू किए। कुछ देर में ही मृतक के पुत्र राकेश ने अस्पताल पहुंचकर पिता छेदीलाल के रूप में पहचान कर ली। पुलिस ने आज सुबह पोस्टमार्टम के बाद अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सोप है। गौरतलब हो कि शुक्रवार से शहर के मार्गों पर अज्ञात वाहन मौत बनकर दौड़ लगा रहे हैं। इंदौर रोड पर शुक्रवार सुबह इंदौर के रहने वाले वृद्ध को अज्ञात वाहन ने कुचल दिया था। उसके बाद इंदौर रोड पर ही पुलिस वाहन ने एक वृद्ध की जान ले ली थी। नागदा उन्हेल रोड भैरवगढ़ थाना क्षेत्र में अज्ञात वाहन ने दो पहिया वाहनों पर सवार तीन युवकों को कुचल कर मौत की नींद सुला दिया था। अब मक्सी रोड पर दुर्घटना होना सामने आई है।

चुनाव प्रचार में अभ्यर्थी 95 लाख रुपए तक व्यय कर सकेंगे

उज्जैन /कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी उज्जैन श्री नीरज कुमार सिंह ने बताया कि लोकसभा निर्वाचन के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अभ्यर्थी के लिए चुनाव प्रचार व्यय की सीमा 95 लाख रूपये निर्धारित की गई है। इसके लिये अभ्यर्थी को बैंक में एक पृथक खाता खोलना आवश्यक है। रिटर्निंग अधिकारी से प्राप्त निर्वाचन व्यय रजिस्टर में सभी दैनिक व्यय लेखा का रख रखाव करना होगा। सभी पोस्टर, बैनर, पम्प्लेट, हैण्डबिल, चाहे वे नाम निर्देशन के पहले मुद्रित/प्रकाशित किए गए हो, परंतु नाम निर्देशन के बाद उपयोग/प्रदर्शित किए जा रहे हों, यह सभी अभ्यर्थी के निर्वाचन व्यय में जुड़ेंगे। उन्होंने बताया कि रैली आयोजन के लिए किराये/भाड़े पर लिए गए व्यावसायिक वाहनों के लिए सभी खर्च प्रचार व्यय लेखे में शामिल किया जाएगा। अभ्यर्थी द्वारा भाग ली गई किसी रैली/प्रदर्शित फोटो/मंच साझा करने आदि पर किये गये सभी व्यय भी अभ्यर्थी के चुनाव प्रचार व्यय लेखे में जोड़े जायेंगे।

कंपनी मैनेजर ने 4th स्टेज कैंसर मरीज को ड्यूटी करने के लिए किया मजबूर, ईमेल में लिखा मैसेज देख भड़के लोग

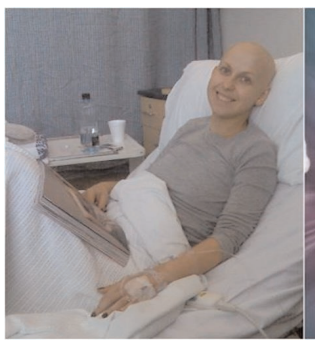

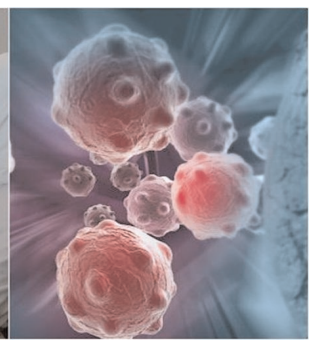

इंटरनेशनल डेस्क: नौकरी के चक्कर में एक बीमार महिला के परिवार पर कितना फाइनेंशियल और इमोशनल बोझ पड़ रहा है इसका ताजा मामला हैरान और शर्मसार करने वाला है । इस संबंध में महिला की बेटी, जो एक कॉलेज छात्रा है, की ऑनलाइन पोस्ट ने सबको गुस्सा दिला दिया है। मामला आयरलैंड का है। छात्रा ने बताया कि उसकी मां 18 महीने से स्टेज 4 कैंसर से जूझ रही है । बावजूद इसके कंपनी मैनेजर ने उन पर वापस काम पर आने का दबाव बनाया। नाम के यूजर ने अपनी मां के सुपरवाइजर के ईमेल का स्क्रीनशॉट शेयर किया । ईमेल में लिखा था कि डॉक्टर का सर्टिफिकेट लाना जरूरी है जो ये बताए कि वो काम के लिए फिट हैं। साथ ही उनकी बीमारी और इलाज के बारे में भी जानकारी मांगी गई। ईमेल में ये भी लिखा था कि वो अगले दिन मीटिंग में जरूर आएं। इस ईमेल में उनकी बीमारी को पूरी तरह से नजरअंदाज किया गया और उन्हें कोई सहूलियत नहीं दी गई। छात्रा ने कहा कि मां ठीक होकर वापस काम पर आना चाहती हैं लेकिन अभी उनके पति के गुजर जाने के बाद परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। इसलिए बेटी पढ़ाई पूरी कर रही है ताकि वो जल्द नौकरी करके घर का सहारा बन सके।कॉमेंट सेक्शन में बेटी ने बताया कि मां की हालत काफी खराब है। उसने कहा, उन्हें कैंसर होने के बाद से हर हफ्ते करीबन 200 यूरो की बीमारी के फायदे के तौर पर सरकारी मदद मिल रही थी, लेकिन कुछ समय पहले उन्हें ये बदलना पड़ा क्योंकि बीमारी के फायदे एक तय समय तक ही मिलते हैं। अब उन्हें एक अलग सरकारी मदद मिल रही है जो विकलांग लोगों को दी जाती है। मामला आयरलैंड से आई है और ये इस बात को बताती है कि इस बीमारी और नौकरी के चक्कर में इस परिवार पर कितना फाइनेंशियल और इमोशनल बोझ पड़ रहा है। मां ठीक होकर वापस काम पर आना चाहती हैं, लेकिन अभी उनके पति के गुजर जाने के बाद परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। इसलिए बेटी पढ़ाई पूरी कर रही है ताकि वो जल्द नौकरी करके घर का सहारा बन सके। बेटी ने बताया कि मां की हालत काफी खराब है. उसने कहा, उन्हें कैंसर होने के बाद से हर हफ्ते करीबन 200 यूरो की बीमारी के फायदे के तौर पर सरकारी मदद मिल रही थी, लेकिन कुछ समय पहले उन्हें ये बदलना पड़ा क्योंकि बीमारी के फायदे एक तय समय तक ही मिलते हैं। अब उन्हें एक अलग सरकारी मदद मिल रही है जो विकलांग लोगों को दी जाती है।

ऑस्ट्रेलिया में अब चर्च की प्रार्थना सभा दौरान बिशप पर चाकू से हमला, कई लोग घायल

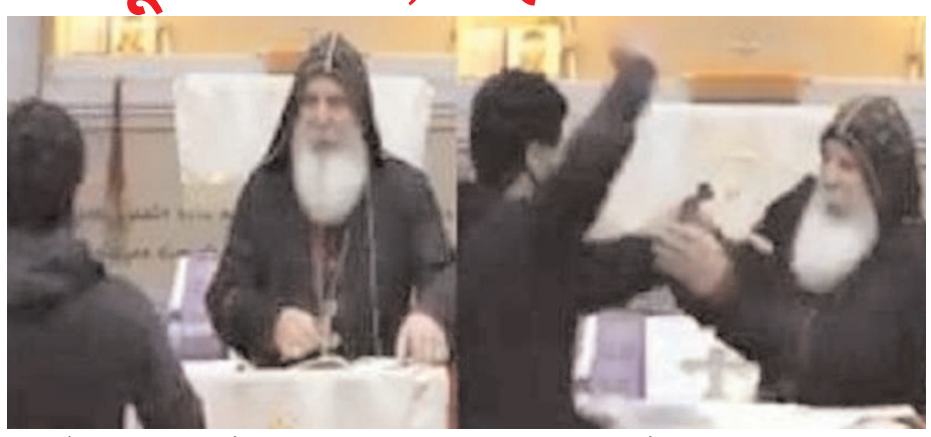

सिडनी: ऑस्ट्रेलिया में चाकूबाजी की एक और दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है। इस बार सिडनी में एक चर्च में प्रार्थना सभा के दौरान बिशप पर हमला किया गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में एक शख्स प्रार्थना के दौरान बिशप पर चाकू से हमला करता नजर आता है। इस हमले में बिशप समेत कई अन्य लोग बुरी तरह से घायल बताए जा रहे हैं। लोगों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सिडनी के अधिकारियों का कहना है कि हमले के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। यह घटना सिडनी के एक शॉपिंग मॉल में छह लोगों की चाकू मारकर हत्या किए जाने के कुछ ही दिन बाद सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, बिशप मारी इमैनुएल शाम 7 बजे के बाद वेकले में क्राइस्ट द गुड शेफर्ड चर्च में सामूहिक प्रार्थना कर रहे थे, तभी एक व्यक्ति उनके पास आया और कथित तौर पर उनके सिर पर कई बार वार किया। बिशप ने कोविड महामारी के दौरान काफी नाम कमाया था। उस दौरान इस बिशप के ऑनलाइन फॉलोअर्स में काफी बढ़ोत्तरी देखी गई थी। पुलिस ने समुदाय के लोगों से हादसे वाली जगह से दूर रहने को कहा है। न्यू साउथ वेल्स पुलिस फोर्स के अनुसार चाकूबाजी की रिपोर्ट के बाद, वेकले में एक पुलिस अभियान चल रहा है। कई लोगों को चाकू मारने की रिपोर्ट के बाद फेयरफील्ड सिटी पुलिस एरिया कमांड से जुड़े अधिकारी वेकले में वेलकम स्ट्रीट नाम के स्थान पर पहुंचे। अधिकारियों ने एक पुरुष को गिरफ्तार किया और वह पूछताछ में पुलिस की सहायता कर रहा है। घायल लोगों को गैर-जानलेवा चोटें आईं और उनका इलाज किया जा रहा है।

देश के चुनावी इतिहास में सबसे कम सीटों पर लड़ेगी कांग्रेस

नेशनल डेस्क= देश की सत्ता पर सबसे अधिक समय तक काबिज रहने वाली सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस इस लोकसभा चुनाव में आजादी के बाद सबसे कम सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने जा रही है। कांग्रेस ने अभी तक 27 राज्यों और अन्य केंद्र साहसित प्रदेशों में अब तक 272 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया है जबकि हरियाणा की 9, पंजाब की 7, हिमाचल प्रदेश की 2 सीटों, बिहार, आंध्रा प्रदेश, पश्चिम बगाल की कुछ सीटों, उत्तर प्रदेश में राय बरेली और अमेठी पर उम्मीदवारों की घोषणा किया जाना बाकी है। कुल मिला कर इस चुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवारों की संख्या 325 या 330 के करीब पहुँच सकती है। यह संख्या देश के चुनावी इतिहास में सबसे कम होगी। इस से पहले कांग्रेस ने 2004 के चुनाव में 417 सीटों पर उम्मीदवार उतरे थे और यह पार्टी की तरफ से उतारे गए अब तक के सबसे कम उम्मीदवार थे। पिछले चुनाव में कांग्रेस ने 421 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतरे थे और उसे महज 52 सीटों पर जीत हासिल हुई थी जबकि 2014 में पार्टी ने 440 सीटों पर चुनाव लड़ा था और उसे 44 सीटें ही हासिल हुए थी, 2009 में पार्टी ने 440 सीटों पर उम्मीदवार मैदान में उतारे थे और उसे 206 सीटें हासिल हुई थी हालाँकि 1989 से लेकर 1999 तक देश में गठबंधन का दौर था लेकिन इस दौर में भी कांग्रेस के उम्मीदवारों की संख्या कम नहीं हुई थी और 1989 और 1991 में 510 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतरे थे जबकि 1996 में 529 और 1999 में 435 उम्मीदवारों को मैदान में उतारा गया था कांग्रेस के इण्डिया अलाइंस का हिस्सा होने 17 से 41 के कारण उत्तर प्रदेश में इस बार सिर्फ सीटों पर चुनाव लड़ रही है। इसी तरह पश्चिम बंगाल में कांग्रेस पिछले चुनाव के प्रत्याशियों के मुकाबले 20, महाराष्ट्र में पिछले चुनाव की 25 सीटों के मुकाबले 8 सीटों पर चुनाव लड़ रही है।

लोकसभा चुनाव में भाजपा ने मैदान में उतारे पूर्व शाही परिवारों के 10 उम्मीदवार

नेशनल डेस्क= परिवारवाद, भाई- भतीजावाद और राजवंशों को लेकर विपक्षी राजनीतिक दल और भाजपा एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाने से पीछे नहीं हटते हैं। इन मुद्दों में खासकर भाजपा कांग्रेस सहित सपा, राजद और द्रमुक जैसे क्षेत्रीय दिग्गजों की आलोचना करती आई है। हालांकि भाजपा खुद भी इन मुद्दों से अछूती नहीं है। देश के राजघरानों की बात करें तो भाजपा के कुनबे में इनका इजाफा होता जा रहा है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस लोकसभा चुनाव में पूर्व शाही परिवारों के 10 से अधिक वंशज भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं, जिनमें से कुछ अपनी राजनीतिक शुरूआत कर रहे हैं।

ओडिशा= ओडिशा में बीजू जनता दल (बीजद) द्वारा लंबे अरसे से शासित राज्य ओडिशा की बात करें तो यहां भाजपा ने शाही वंश के दो सदस्यों संगीता कुमारी सिंह देव और मालविका केशरी देव को चुनाव मैदान में उतारा है, जो पूर्ववर्ती पटनागढ़- बोलांगीर और कालाहांडी रियासतों से संबंधित हैं। संगीता बोलांगीर से भाजपा की मौजूदा सांसद हैं।

राजस्थान = राजस्थान में भी भाजपा ने शाही संबंधों वाले दो उम्मीदवारो को मैदान में उतारा है। इनमें राजस्थान की पूर्व सी.एम. वसुंधरा राजे के बेटे दुष्यन्त सिंह और महिमा सिंह हैं, जिनकी शादी मेवाड़ के शाही परिवार में हुई है। 50 साल के दुष्यंत झालावाड़-बारां से चार बार भाजपा सांसद रह चुके हैं। महिमा को भाजपा ने राजसमंद से मौजूदा सांसद दीया कुमारी के स्थान पर मैदान में उतारा है, जिन्होंने भाजपा के टिकट विधानसभा चुनाव जीता था।

मध्य प्रदेश= मध्य प्रदेश की गुना सीट पर भाजपा ने कांग्रेस छोड़ कर पार्टी में आए सिंधिया वंश के नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया को टिकट दिया है। 2019 में सिंधिया कांग्रेस के टिकट गुना सीट से चुनाव हार गए थे। वह वर्तमान में राज्यसभा सांसद हैं।

पंजाब= पंजाब के पूर्व शाही परिवार से इस बार भाजपा ने पूर्व सी.एम. कैप्टन अमरिंदर सिंह की पत्नी 79 वर्षीय परनीत कौर को पटियाला सीट से उम्मीदवार बनाया है। अमरिंदर सिंह के कांग्रेस से भाजपा में चले जाने के बाद कौर निवर्तमान लोकसभा के अंत तक कागजी तौर पर कांग्रेस में सांसद बनी रहीं।

पश्चिम बंगाल= भाजपा ने टी.एम.सी. की मोहुआ मोइत्रा को टक्कर देने के लिए कृष्णानगर के पूर्व शाही परिवार की राजमाता अमृता रॉय को चुना है। मोइत्रा को कैश फॉर क्वेरी घोटाले में सांसद पद से निष्कासित कर दिया गया था और वह इस मामले में सी.बी.आई. और मनी लॉन्ड्रिंग जांच का सामना कर रही हैं।

कर्नाटक= कर्नाटक में मैसूर लोकसभा सीट पर भाजपा ने मौजूदा सांसद प्रताप सिम्हा की जगह पूर्व शाही परिवार के 32 वर्षीय यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार को टिकट दिया है। प्रताप सिम्हा वहीं सांसद हैं जिनके विजिटर पास पर दिसंबर 2023 में संसद में घुसपैठियों को सदन में प्रवेश मिला था।

उत्तराखंड= राज्य के टीहरी-गढ़वाल से भाजपा ने मौजूदा सांसद और पूर्ववर्ती टेहरी-गढ़वाल साम्राज्य की रानी, 73 वर्षीय माला राज्य लक्ष्मी शाह को फिर से मैदान में उतारा है। उनका जन्म काठमांडू में हुआ था वह एक दशक से अधिक समय से इस निर्वाचन क्षेत्र से मौजूदा सांसद हैं। पूर्वी त्रिपुरा लोकसभा

त्रिपुरा= सीट से भाजपा ने महारानी कृति सिंह देबबर्मा को मैदान में उतारा है, जो त्रिपुरा के माणिक्य राजवंश से हैं और उनका विवाह छत्तीसगढ़ के कवर्धा के शाही परिवार में हुआ है। उनके पति योगेश्वर राज सिंह पूर्व कांग्रेस नेता हैं। वह टिपरा मोथा पार्टी के नेता प्रद्योत किशोर मनिया देबबर्मा की बहन हैं और चुनाव में पदार्पण कर रही हैं।

2 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे 98 चुनाव हार चुके हसनुराम अंबेडकरी

नेशनल डेस्क= आगरा में हसनुराम अंबेडकरी धरती पकड़ नाम के प्रत्याशी 98 बार चुनाव हार चुके हैं और अब वह 99वीं बार 2 आगरा सुरक्षित सीट और फतेहपुर सीकरी सीट से चुनाव लड़ने जा रहे हैं। आगरा जिले की खेरागढ़ तहसील निवासी अंबेडकरी ने अपना पहला चुनाव मार्च 1985 में खेरागढ़ विधानसभा सीट से बहुजन समाजवादी पार्टी (बसपा) के उम्मीदवार के खिलाफ निर्दलीय के तौर पर लड़ा था। अंबेडकरी ने कहा कि मैंने 1985 से ग्राम प्रधान, राज्य विधानसभा, ग्राम पंचायत, एम.एल.ए., एम.एल.सी. और लोकसभा के लिए चुनाव लड़ा है। मैंने भारत के राष्ट्रपति पद के लिए भी अपनी उम्मीदवारी दाखिल की थी लेकिन वह खारिज कर दी गई। मनरेगा मजदूर के रूप में अपना जीवन यापन करने वाले अंबेडकरी का कहना है कि इस बार भी मुझे यकीन है कि मैं दोनों सीटों पर हार जाऊंगा। लेकिन, मेरा लक्ष्य 100वीं बार चुनाव लड़ना है और उसके बाद मैं कोई चुनाव नहीं लड़ूंगा। जब अंबेडकरी से पूछा गया कि किस बात ने उन्हें लगातार चुनाव लड़ने के लिए प्रेरित किया तो उन्होंने बताया कि मैंने वर्ष 1984 के अंत में आगरा तहसील में अमीन की अपनी नौकरी छोड़ दी क्योंकि बसपा ने मुझसे खेरागढ़ सीट से चुनाव लड़ने के लिए टिकट देने का वादा किया था।उन्होंने कहा कि बाद में क्षेत्र में पार्टी के तत्कालीन संयोजक ने मुझे टिकट देने से इन्कार कर दिया और उन्होंने मेरा मजाक उड़ाया कि तुम्हें तुम्हारी बीवी भी वोट नहीं देगी, तो और कोई तुम्हें क्या वोट देगा। अंबेडकरी ने कहा कि अपमान का बदला लेने के लिए उन्होंने इस सीट से चुनाव लड़ा और चुनाव परिणाम में उन्हें तीसरा स्थान मिला। उन्होंने कहा कि मैंने यह साबित करने के लिए और अधिक चुनाव लड़ने की योजना बनाई कि मुझे भी लोगों से वोट मिल सकते हैं।

कई देशों के आयात-निर्यात कारोबार हो सकते हैं प्रभावित, बढ़ सकती है विश्व बाजारों में महंगाई की टेंशन

इंटरनेशनल डेस्क= वैश्विक संगीनता के मद्देनजर, ईरान और इजराइल के बीच तनाव में वृद्धि के संकेतों के बीच, विश्व बाजारों में महंगाई की टेंशन बढ़ गई है। तनाव की बढ़ती संभावना से, ग्लोबल शेयर बाजार और अर्थव्यवस्थाओं के लिए भविष्य अधिक अस्पष्ट हो गया है। साथ ही कई देशों के आयात-निर्यात कारोबार भी प्रभावित हो सकते हैं। इसके अलावा, सोने के दाम में भी उछाल आ सकता है। ऐसे में एक्सपर्ट्स का मानना है कि आने वाला समय मुश्किल भरा हो सकता है। ईरान के हालिया हमले ने तेल उत्पादन क्षेत्र को प्रभावित किया है, जो विश्व के लगभग तीन तिहाई क्रूड ऑयल उत्पन्न करता है। इस तनाव के कारण, तेल की कीमतों में वृद्धि की संभावना है, जिससे महंगाई बढ़ सकती है।

क्या हैं कच्चे तेल के दाम साल-दर-साल ब्रेंट की कीमत 12 अप्रैल, 2024 को 19त्न से अधिक बढ़कर 90.45 डॉलर प्रति बैरल हो गई है, जबकि 2 जनवरी, 2024 को यह 75.89 डॉलर प्रति बैरल थी। अब इन दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ने से तेल का आयात निर्यात प्रभावित होने की ज्यादा संभावना है, जिससे दाम में बढ़ोतरी होगी। महंगाई दर बढ़ने से केंद्रीय बैंकों की ओर से दरों में कटौती की संभावना भी कम हो जाएगी।

कैसा रहेगा शेयर बाजार इस अशांति के परिणामस्वरूप, भारतीय शेयर बाजारों में अस्थिरता आ सकती है। शेयर बाजार एवं भारतीय अर्थव्यवस्था पर ईरान-इजराइल युद्ध के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, एसएएस ऑनलाइन-इंडिया के ष्टश्वह्व श्रेय जैन ने बताया कि युद्ध बढ़ने से भारत के शेयर बाजारों में अस्थिरता बढ़ सकती है। इस अवस्था में, गोल्ड की कीमतों में भी वृद्धि का अनुमान है, जिससे सोने की उत्पादन कीमतें बढ़ सकती हैं। दुनिया इजरायल और जी7 की प्रतिक्रिया पर नजर रखेगी। बता दें बेंचमार्क इक्विटी इंडेक्स बीएसई सेंसेक्स हाल ही में 4 अप्रैल, 2024 को अब तक के उच्चतम 75,124.28 पर पहुंच गया।इस अवसर पर अर्थशास्त्री मनोरंजन शर्मा ने कहा कि आने वाले समय में अनिश्चितता और कठिनाईयों की संभावना है। इस परिस्थिति में, निवेशकों को सतर्क रहने और उनकी निवेश रणनीतियों को पुनरावलोकन करने की सलाह दी जा रही है।

क्या बढ़ेंगे गोल्ड के दाम भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने के कारण शुक्रवार को सोने की कीमतें 1,000 रुपये से अधिक बढ़कर 72,931 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गईं हैं। इस भू-राजनीतिक अनिश्चितता ने सुरक्षित-संपत्तियों में तेजी ला दी है, जिससे सोने की कीमतें 1.60% बढ़ चुकी है।

ओडिशा-जाजपुर में बेकाबू बस फ्लाईओवर से गिरी, 5 लोगों की मौत, कई घायल

नेशनल डेस्क: *कोलकाता जा रही एक बस के ओडिशा के जाजपुर जिले में सोमवार शाम पुल से गिर जाने के कारण एक महिला सहित कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और करीब 40 अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह दुर्घटना रात करीब नौ बजे राष्ट्रीय राजमार्ग-16 के बाराबती पुल पर उस समय हुई, जब 50 यात्रियों वाली बस पुरी से कोलकाता जा रही थी। धर्मशाला पुलिस थाना प्रभारी निरीक्षक तपन कुमार नाइक ने कहा, ''दुर्घटना में चार पुरुषों और एक महिला की मौत हो गई है। करीब 40 लोग घायल हैं और उनमें से 30 को कटक एससीबी मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि दुर्घटनास्थल पर बचाव अभियान जारी है। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने इस दुर्घटना पर खेद व्यक्त किया और मृतकों के परिजन के लिए तीन-तीन लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की।*

जीवन भर की कमाई 200 करोड़ रुपये दान कर पति पत्नी बन गए जैन भिक्ष

नेशनल डेस्क= गुजरात के एक व्यवसायी और उनकी पत्नी ने अपनी जीवन भर की कमाई 200 करोड़ रुपये दान कर दी है और भिक्षुत्व अपनाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इसी साल फरवरी में भावेश भंडारी और उनकी पत्नी ने एक समारोह के दौरान अपनी सारी संपत्ति दान कर दी थी।

हिम्मतनगर का रहने वाला भंडारी परिवार निर्माण व्यवसाय में था। उन्होंने अपने 16 वर्षीय बेटे और 19 वर्षीय बेटी के नक्शेकदम पर चलने का फैसला किया, जिन्होंने 2022 में भिक्षुत्व अपनाया।

जैन परिवार से ताल्लुक रखने वाले भावेश भंडारी, साबरकांठा और अहमदाबाद में निर्माण व्यवसाय से जुड़े थे और छोटी उम्र से ही विलासिता और समृद्धि के जीवन के आदी थे। फरवरी में 35 व्यक्तियों के साथ, भंडारी दंपत्ति ने चार किलोमीटर के जुलूस का नेतृत्व किया, जिसके दौरान उन्होंने मोबाइल फोन से लेकर एयर कंडीशनर तक अपना सारा सामान दान कर दिया। कार्यक्रम के फुटेज में दंपत्ति को शाही पोशाक में रथ के ऊपर दान करते हुए दिखाया गया है। 22 अप्रैल को अपनी प्रतिज्ञा के बाद, दंपति सभी पारिवारिक संबंधों को तोड़ देंगे और सभी भौतिक संपत्ति त्याग देंगे। इसके बाद, वे भारत भर में नंगे पैर यात्रा पर निकलेंगे, केवल भिक्षा के माध्यम से अपना भरण-पोषण करेंगे। विशेष रूप से, जैन धर्म में, दीक्षा लेने के लिए गहन समर्पण की आवश्यकता होती है, जिसमें व्यक्ति भौतिक विलासिता और आधुनिक प्रौद्योगिकियों को त्याग देते हैं, खुद को पूरी तरह से भिक्षा पर निर्भर करते हैं, और देश भर में नंगे पैर यात्रा करते हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569